# पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ, सोलापूर
## विद्यापरिषदेच्या ८६ व्या बैठकीचा कार्यवृत्तांत
## सोमवार, दि.१६ फेब्रुवारी, २०२६ दुपारी १२:३० वा.

NAAC Accredited-2022
'B++' Grade (CGPA-2.96)

विद्यापरिषदेची ८६ वी बैठक सोमवार, दि.१६ फेब्रुवारी, २०२६ रोजी दुपारी १२:३० वा. मा. कुलगुरु यांच्या अध्यक्षतेखाली विद्यापीठ सभागृहात आयोजित करण्यात आली आहे.

बैठकीस खालीलप्रमाणे उपस्थिती होती.

| अ.क्र. | सदस्याचे नांव | पद | उपस्थिती |
|---|---|---|---|
| १) | प्रा. (डॉ.) प्रकाश अण्णा महानवर, मा. कुलगुरु | अध्यक्ष | उपस्थित |
| २) | प्रा. (डॉ.) लक्ष्मीकांत बसवराज दामा, प्र-कुलगुरु | सदस्य | उपस्थित |
| ३) | डॉ. प्रशांत मारुती पवार<br>प्रभारी अधिष्ठाता, विज्ञान व तंत्रज्ञान विद्याशाखा | सदस्य | उपस्थित |
| ४) | डॉ. शिवाजी विश्वास शिंदे<br>प्रभारी अधिष्ठाता, वाणिज्य व व्यवस्थापन विद्याशाखा | सदस्य | उपस्थित |
| ५) | डॉ. आय. जे. तांबोळी<br>प्रभारी अधिष्ठाता, मानवविज्ञान विद्याशाखा | सदस्य | उपस्थित |
| ६) | डॉ. राजशेखर हिरेमठ<br>प्रभारी अधिष्ठाता, आंतर-विद्याशाखीय अभ्यास विद्याशाखा | सदस्य | उपस्थित |
| ७) | डॉ. राजीवकुमार शिवशंकर मेंते<br>प्रभारी सहयोगी अधिष्ठाता, विज्ञान व तंत्रज्ञान विद्याशाखा | सदस्य | उपस्थित |
| ८) | प्राचार्य डॉ. शशिकांत एल. तांबे<br>प्रभारी सहयोगी अधिष्ठाता, आंतर-विद्याशाखीय अभ्यास विद्याशाखा | सदस्य | उपस्थित |
| ९) | प्रा. (डॉ.) विकास बाबुराव पाटील<br>प्र.संचालक, नवोपक्रम, नवसंशोधन व साहचर्य | सदस्य | उपस्थित |
| १०) | प्राचार्य डॉ. बभ्रुवाहन पांडुरंग रोंगे | सदस्य | उपस्थित |
| ११) | प्राचार्य डॉ. सुरेश रामचंद्र ढेरे | सदस्य | उपस्थित |
| १२) | प्राचार्य डॉ. चंद्रकांत श्रीपती सुर्यवंशी | सदस्य | विनंतीनुसार अनुपस्थित |
| १३) | प्राचार्य डॉ. कैलाश जगन्नाथ करांडे | सदस्य | उपस्थित |
| १४) | डॉ. सुधा गिरजाप्पा बनसोडे | सदस्या | उपस्थित |
| १५) | डॉ. गंगाधर धुळप्पा बिराजदार | सदस्य | विनंतीनुसार अनुपस्थित |
| १६) | डॉ. शशिकांत हरिश्चंद्र गायकवाड | सदस्य | उपस्थित |
| १७) | डॉ. श्रीमती लक्ष्मी चंद्रकांत मुशन | सदस्या | विनंतीनुसार अनुपस्थित |
| १८) | डॉ. शिवाजी विश्वास शिंदे | सदस्य | उपस्थित |
| १९) | डॉ. हनुमंत कृष्णा आवताडे | सदस्य | उपस्थित |

| अ.क्र. | सदस्याचे नांव | पद | उपस्थिती |
|---|---|---|---|
| २०) | डॉ. तानाजी नारायण कोळेकर | सदस्य | विनंतीनुसार अनुपस्थित |
| २१) | डॉ. श्रीमती आयेशा मोहम्मद सादिक रंगरेज | सदस्या | विनंतीनुसार अनुपस्थित |
| २२) | श्रीमती वैशाली जितेंद्र साठे | सदस्या | उपस्थित |
| २३) | डॉ. जयंत मारुती गजभिये | सदस्य | उपस्थित |
| २४) | डॉ. धनंजय ए. जोल्हे | सदस्य | विनंतीनुसार अनुपस्थित |
| २५) | श्री. विजय रविंद्रनाथ जवळगेकर | सदस्य | अनुपस्थित |
| २६) | श्री. वासुदेव रंगनाथ बंग | सदस्य | अनुपस्थित |
| २७) | डॉ. अनिल करवंदे | सदस्य | अनुपस्थित |
| २८) | डॉ. अतुल व्ही. कुलकर्णी | सदस्य | अनुपस्थित |
| २९) | डॉ. मकरंद श्रीकृष्ण कुलकर्णी | सदस्य | अनुपस्थित |
| ३०) | डॉ. अजयकुमार जाधव, विभागीय सहसंचालक, सोलापूर विभाग, सोलापूर (मा. शिक्षण संचालक, उच्च शिक्षण, पुणे यांचे प्रतिनिधी) | सदस्य | अनुपस्थित |
| ३१) | मा. संचालक (तंत्रशिक्षण), तंत्रशिक्षण संचालनालय, मुंबई | सदस्य | अनुपस्थित |
| ३२) | डॉ. श्रीकांत गणपतराव अंधारे<br>संचालक, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळ | सदस्य | उपस्थित |
| ३३) | डॉ. सिद्राम रामचंद्र पुजारी<br>(अध्यक्ष - रसायनशास्त्र अभ्यासमंडळ) | सदस्य | अनुपस्थित |
| ३४) | डॉ. प्रशांत मारुती पवार<br>(अध्यक्ष - सिव्हील इंजिनिअरींग अभ्यासमंडळ) | सदस्य | उपस्थित |
| ३५) | डॉ. भाग्येश बलवंतराव देशमुख<br>(अध्यक्ष - मेकॅनिकल इंजिनिअरींग अभ्यासमंडळ) | सदस्य | अनुपस्थित |
| ३६) | डॉ. विजय अनंत आठवले<br>(अध्यक्ष - कॉम्प्युटर सायन्स ॲन्ड इंजिनिअरींग अभ्यासमंडळ) | सदस्य | विनंतीनुसार अनुपस्थित |
| ३७) | डॉ. अनिल मारुती साळुंखे<br>(अध्यक्ष- हिंदी अभ्यासमंडळ) | सदस्य | उपस्थित |
| ३८) | डॉ. विष्णु बब्रुवान वाघमारे<br>(अध्यक्ष - इतिहास अभ्यासमंडळ) | सदस्य | उपस्थित |
| ३९) | डॉ. अतुल लकडे, प्र. कुलसचिव | सदस्य-सचिव | उपस्थित |

: निमंत्रित सदस्य :

| अ.क्र | निमंत्रितांचे नाव | उपस्थिती |
| --- | --- | --- |
| १) | डॉ. एस. डी. चव्हाण, समन्वयक, (फिजिक्स अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| २) | डॉ. बी. जे. लोखंडे, समन्वयक, (इलेक्ट्रॉनिक्स अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ३) | डॉ. विदीन कांबळे, समन्वयक, (झूलॉजी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ४) | डॉ. श्रीमती जे. डी. माशाळे, समन्वयक, (गणित अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ५) | डॉ. एम. एन. जगताप, समन्वयक, (बॉटनी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ६) | डॉ. मच्छिंद्र राऊत, समन्वयक, (जिओलॉजी ॲन्ड जिओइन्फॉर्मेटिक्स अस्थायी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| ७) | डॉ. श्रीमती अरुषा नंदीमठ, समन्वयक, (मायक्रोबायोलॉजी अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ८) | डॉ. अशोक शिंदे, समन्वयक, (कॉम्प्युटर सायन्स अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ९) | डॉ. अनमोल वलसंगे, समन्वयक, (बायोटेक्नॉलॉजी अस्थायी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| १०) | डॉ. विकास पाटील, समन्वयक, (अलाईड हेल्थ सायन्सेस अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ११) | डॉ. मुकूंद माळी, समन्वयक, (कॉस्मेटिक टेक्नॉलॉजी अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| १२) | डॉ. विनायक धुळप, समन्वयक, (एन्व्हायर्नमेंटल सायन्सेस अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| १३) | डॉ. आर. एन. जगताप, समन्वयक, (बीएस्सी. पेंट टेक्नॉलॉजी अस्थायी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| १४) | डॉ. मिथुन मणियार, समन्वयक, (बीएस्सी. फार्मासुटिकल मॅन्युफॅक्चरींग ॲन्ड क्वॉलीटी अस्थायी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| १५) | डॉ. विकास पाटील, समन्वयक, (बीएस्सी. हेल्थ केअर मॅनेजमेंट अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| १६) | डॉ. विकास कडू, समन्वयक, (बीएस्सी. टेक्स्टाईल टेक्नॉलॉजी अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| १७) | डॉ. सचिन गेंगजे, समन्वयक, (इलेक्ट्रॉनिक्स इंजिनिअरींग अस्थायी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| १८) | डॉ. एस. ए. लेंढवे, समन्वयक, (जनरल इंजिनिअरींग अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| १९) | डॉ. श्रीमती दिप्ती तांबोळी, समन्वयक, (इलेक्ट्रीकल इंजिनिअरींग अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| २०) | डॉ. एम. एस. कलशेट्टी, समन्वयक, (फार्मसी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| २१) | डॉ. सुभाष पिंगळे, समन्वयक, (बी. टेक. ए. आय ॲन्ड डाटा सायन्स अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| २२) | डॉ. अमोल बोबडे, समन्वयक, (वाणिज्य अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| २३) | डॉ. सुनिल पाटील, समन्वयक, (बिझनेस मॅनेजमेंट अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| २४) | डॉ. श्रीकांत दुधाळ, समन्वयक, (अकौटंन्सी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| २५) | प्राचार्य डॉ. डी. आर. बाड, समन्वयक, (बिझनेस इकॉनॉमिक्स अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| २६) | प्राचार्य डॉ. महेंद्र कदम, समन्वयक, (मराठी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| २७) | डॉ. मनोहर जोशी, समन्वयक, (इंग्रजी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| २८) | डॉ. संगमेश्वर निला, समन्वयक, (राज्यशास्त्र अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| २९) | डॉ. बद्रीनाथ दामजी, समन्वयक, (अर्थशास्त्र अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ३०) | डॉ. गुरुलिंगप्पा छबाले, समन्वयक, (कन्नड अस्थायी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |

| अ.क्र | निमंत्रितांचे नाव | उपस्थिती |
|---|---|---|
| ३१) | डॉ. सरदार पाशा, समन्वयक, (उर्दू/पर्शियन अस्थायी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| ३२) | डॉ. रेवा कुलकर्णी, समन्वयक, (संस्कृत अस्थायी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| ३३) | डॉ. प्रभाकर कोळेकर, समन्वयक, (ए.आय.एच.सी. ॲन्ड ए. अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ३४) | डॉ. नारायण गडदे, समन्वयक, (तत्वज्ञान अस्थायी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| ३५) | डॉ. चंद्रकांत कांबळे, समन्वयक, (समाजशास्त्र अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ३६) | डॉ. शिवकुमार बिरादार, समन्वयक, (ग्रामीण विकास अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ३७) | डॉ. रत्नदीप सोनकांबळे, समन्वयक, (विधी अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ३८) | डॉ. दामाजी भिसे, समन्वयक, (एन. एस. एस. अस्थायी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| ३९) | डॉ. अप्पासाहेब देशमुख, समन्वयक, (लोकप्रशासन अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ४०) | डॉ. विजयकुमार मुलीमूनी, समन्वयक, (ग्रंथालय व माहितीशास्त्र अस्थायी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| ४१) | डॉ. निशा पवार, समन्वयक, (जनसंज्ञापन आणि पत्रकारिता अस्थायी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| ४२) | डॉ. संदीप जगदाळे, समन्वयक, (समाजकार्य शिक्षण अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ४३) | डॉ. अमोल शिंदे, समन्वयक, (दिव्यांग अस्थायी अभ्यासमंडळ) | अनुपस्थित |
| ४४) | डॉ. विरभद्र दंडे, समन्वयक, (IKS अस्थायी अभ्यासमंडळ) | विनंतीनुसार अनुपस्थित |
| ४५) | डॉ. प्रभाकर नागनाथ कोळेकर, समन्वयक, (कौशल्य विकास अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |
| ४६) | प्रा. एस. जी. कुलकर्णी, समन्वयक, (माहिती व तंत्रज्ञान अस्थायी अभ्यासमंडळ) | उपस्थित |

बैठकीची सुरुवात विद्यापीठ गीताने करण्यात आली.

**भावपूर्ण श्रध्दांजली:**

महाराष्ट्राचे लोकप्रिय नेते आणि माजी उपमुख्यमंत्री कै. अजितदादा पवार यांचे दि.२८ जानेवारी, २०२६ रोजी विमान अपघातात अकाली निधन झाल्यामुळे सर्व सदस्यांच्या वतीने त्यांना दोन मिनिटे स्तब्ध उभे राहून भावपूर्ण श्रध्दांजली वाहण्यात आली.

**स्वागत:**

प्र.कुलसचिव यांनी मा. अध्यक्ष व सर्व सन्माननीय सदस्य, निमंत्रित सदस्य यांचे स्वागत केले.

**अनुपस्थिती:**

विद्यापरिषदेच्या या बैठकीस प्राचार्य डॉ. चंद्रकांत श्रीपती सुर्यवंशी, डॉ. गंगाधर धुळप्पा विराजदार, डॉ. श्रीमती लक्ष्मी चंद्रकांत मुशन, डॉ. तानाजी नारायण कोळेकर, डॉ. श्रीमती आयेशा मोहम्मद सादिक रंगरेज, डॉ. धनंजय ए. जोल्हे व डॉ. विजय अनंत आठवले या नियमित सदस्यांनी तसेच डॉ. विरभद्र दंडे या निमंत्रित सदस्यांनी ईमेलद्वारे/दुरध्वनीद्वारे अनुपस्थिती कळविली होती, त्यांच्या अनुपस्थितीची नोंद घेवून मान्यता देण्यात आली.

सदर बैठकीत खालीलप्रमाणे कामकाज झाले.

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
| --- | --- | --- |
| [ १ ] | दि. १७ ऑक्टोबर, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८५ व्या बैठकीचा कार्यवृत्तांत कायम करण्याची बाब विचारार्थ. | सभा व निवडणूका विभाग |
| ठराव: | दि. १७ ऑक्टोबर, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८५ व्या बैठकीचा कार्यवृत्तांत खालील दुरुस्तीसह सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. | |
| | विषय क्र.२५ मधील ठरावात खालीलप्रमाणे दुरुस्ती करण्यात आली. | शिक्षक मान्यता विभाग |
| | पूर्वीचा ठराव | |
| | प्रस्तुत विद्यापीठाशी संलग्नित महाविद्यालयातील ज्या शिक्षकांनी UGC/शासन निर्णयानुसार अर्हता प्राप्त केलेली नाही त्यांना पूर्णवेळ शिक्षकांची पदमान्यता देण्याबाबत गठित केलेल्या समितीच्या नियमावलीस सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. | |
| | दुरुस्त केलेला ठराव | |
| | प्रस्तुत विद्यापीठाशी संलग्नित महाविद्यालयातील ज्या शिक्षकांनी UGC/शासन निर्णयानुसार अर्हता प्राप्त केलेली नाही त्यांना पूर्णवेळ शिक्षकांची पदमान्यता देण्याबाबत गठित केलेल्या समितीच्या नियमावलीतील मुद्दा क्र.८ मध्ये खालीलप्रमाणे दुरुस्ती करुन सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.<br>दुरुस्ती मुद्दा क्र.८:<br>१) बिंदुनामावलीबाबत;<br>शिफारस: सर्व प्रकारच्या कायम विनाअनुदानित / विनाअनुदानित महाविद्यालयांच्या / अभ्यासक्रमांच्या/ तुकड्यांच्या बाबतीत एका शैक्षणिक वर्षासाठी पदे भरण्यासाठी बिंदुनामावली (Roster) विचारात न घेता (Walk in Interview) पध्दतीने जाहिरातीस मान्यता देण्यात यावी. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ २ ] | १) दि. ०४ एप्रिल, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ७७ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्याची बाब विचारार्थ.<br>२) दि. २८ एप्रिल, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ७८ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्याची बाब विचारार्थ.<br>३) दि. २८ मे, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ७९ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्याची बाब विचारार्थ.<br>४) दि. ०४ जून, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८० व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्याची बाब विचारार्थ.<br>५) दि. १३ जून, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८१ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्याची बाब विचारार्थ.<br>६) दि. ३० जून, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८२ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्याची बाब विचारार्थ.<br>७) दि. २८ जुलै, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८३ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्याची बाब विचारार्थ.<br>८) दि. २६ ऑगस्ट, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८४ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्याची बाब विचारार्थ.<br>९) दि. १७ ऑक्टोबर, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८५ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्याची बाब विचारार्थ. | सभा व निवडणूका विभाग |
| ठराव: | १) दि. ०४ एप्रिल, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ७७ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्यात आली.<br>२) दि. २८ एप्रिल, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ७८ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्यात आली.<br>३) दि. २८ मे, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ७९ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्यात आली.<br>४) दि. ०४ जून, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८० व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्यात आली.<br>५) दि. १३ जून, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८१ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्यात आली.<br>६) दि. ३० जून, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८२ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्यात आली.<br>७) दि. २८ जुलै, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८३ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्यात आली.<br>८) दि. २६ ऑगस्ट, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८४ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्यात आली.<br>९) दि. १७ ऑक्टोबर, २०२५ रोजी झालेल्या विद्यापरिषदेच्या ८५ व्या बैठकीच्या कार्यवृत्तांतावर केलेल्या कार्यवाही अहवालाची नोंद घेण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
| --- | --- | --- |
| [ ३ ] | कर्मवीर भाऊराव पाटील महाविद्यालय, पंढरपूर या स्वायत्त महाविद्यालयास अधिकारप्रदत्त स्वायत्त महाविद्यालयाचा दर्जा (Empowered Autonomous College) देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: कर्मवीर भाऊराव पाटील महाविद्यालय, पंढरपूर या स्वायत्त महाविद्यालयाच्या मा.प्र.प्राचार्यांनी क्र.२६२/२०२५-२६, दि.२८/०५/२०२५ रोजीच्या पत्रामध्ये महाराष्ट्र शासनाने दि.२२ मे, २०२३ रोजी प्रसिध्द केलेल्या राजपत्र असाधारण भाग चार-ब चा संदर्भ देवून अधिकारप्रदत्त स्वायत्त महाविद्यालयाचा दर्जा मिळविण्यासाठी विहीत नमुन्यातील प्रस्ताव विहीत शुल्हासह (रु.२५,०००/- अक्षरी रुपये पंचवीस हजार फक्त (पावती क्र.२०४४, दि.३०/०५/२०२५) दि.३०/०५/२०२५ रोजी विद्यापीठाकडे सादर केला आहे.<br>महाराष्ट्र शासनाने दि.२२ मे, २०२३ रोजी प्रसिध्द केलेल्या राजपत्र असाधारण भाग चार-ब मधील तरतूदींनुसार कर्मवीर भाऊराव पाटील महाविद्यालय, पंढरपूर या स्वायत्त महाविद्यालयास अधिकारप्रदत्त स्वायत्त महाविद्यालयाचा दर्जा (Empowered Autonomous College) देण्याकरीता खालीलप्रमाणे समितीचे गठन करण्यात आले आहे.<br>१) मा. प्रा. (डॉ.) लक्ष्मीकांत ब. दामा, अध्यक्ष तथा प्र-कुलगुरु, पुअहोसोविसो<br>२) प्राचार्य डॉ. बब्रुवाहन पांडुरंग रोंगे (शिक्षणतज्ञ) स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर<br>३) डॉ. जयंत मारुती गजभिये शास्त्रज्ञ आणि सहायक प्राध्यापक, सीएसआयआर विभाग ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, सीएसआयआर- नॅशनल केमिकल लॅबोरेटरी, डॉ. होमी भाभा रोड, पुणे<br>४) सीए. संजीव कोठाडिया (उद्योगपती) अर्थालय, तिरंगा नगर, लिंक रोड, पंढरपूर<br>५) प्रभारी प्राचार्य डॉ. आर. पी. बुवा (स्वायत्त महाविद्यालयाचे प्राचार्य) संगमेश्वर कॉलेज, सात रस्ता, सोलापूर<br>६) डॉ. यु. व्ही. मेंटकरी उकुलसचिव तथा सचिव संलग्नता विभाग, पुअहोसोविसो<br>उक्त समितीने दि.१५/१०/२०२५ रोजी महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला आहे. सदर समितीने कर्मवीर भाऊराव पाटील महाविद्यालय, पंढरपूर या स्वायत्त महाविद्यालयास अधिकारप्रदत्त स्वायत्त महाविद्यालयाचा दर्जा (Empowered Autonomous College) दर्जा देण्याची शिफारस केली आहे.<br>सबब, कर्मवीर भाऊराव पाटील महाविद्यालय, पंढरपूर या स्वायत्त महाविद्यालयास अधिकारप्रदत्त स्वायत्त महाविद्यालयाचा दर्जा (Empowered Autonomous College) देण्याची बाब विचारार्थ. | संलग्नता विभाग |
| ठराव: | कर्मवीर भाऊराव पाटील महाविद्यालय, पंढरपूर या स्वायत्त महाविद्यालयास अधिकारप्रदत्त स्वायत्त महाविद्यालयाचा दर्जा (Empowered Autonomous College) देण्यास सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ४ ] | **प्रस्तुत विद्यापीठाशी संलग्नित विधी महाविद्यालयाचा विद्याविषयक दर्जा व विद्याविषयक प्रशासनाचा दर्जा (Academic and Administrative Audit-AAA) ठरविण्याकरिताचा Proforma (प्रश्नावली) सर्वानुमते स्विकारुन अधिष्ठाता मंडळाने केलेली शिफारस विचारार्थ.** <br> टिपणी: डॉ. रत्नदीप वाय. सोनकांबळे, प्र. प्राचार्य, राजर्षि शाहू लॉ कॉलेज, बार्शी यांनी ई-मेलद्वारे पाठविलेल्या क्र.आरएलबी-३५३, दि.०६/०८/२०२५ रोजीच्या पत्रान्वये प्रस्तुत विद्यापीठामध्ये AAA प्रक्रिया सुरु झालेली असून सदर प्रक्रियासाठी विधी महाविद्यालयांकरिता स्वतंत्र प्रश्नावली (Proforma) नसल्यामुळे विधी महाविद्यालयांच्या गुणांमध्ये मोठ्या प्रमाणात तफावत आढळून येत आहे. विधी महाविद्यालयांकरिता ज्या बाबी तपासणे आवश्यक आहे, अशा बाबी प्रश्नावलीमध्ये समाविष्ट नसल्यामुळे विधी महाविद्यालयांच्या कामगिरीवर नकारात्मक परिणाम दिसून येत असल्यामुळे सदर अडचणी व कमतरता भरुन काढण्यासाठी विधी महाविद्यालयांकरिता AAA Proforma सादर करुन त्याचा स्विकार होवून पुढील योग्य ती कार्यवाही होणेविषयी विनंती केली होती. त्यास अनुसरुन दि.१३/०८/२०२५ रोजीच्या सादरीकरणावरील प्राप्त आदेशाच्या अनुषंगाने प्रशासकीय कार्यवाही करण्याकरिता मानवविज्ञान विद्याशाखेचे प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. व्ही. जी. कोरे आणि राजर्षि शाहू लॉ कॉलेज, बार्शीचे प्रभारी प्राचार्य डॉ. रत्नदीप वाय. सोनकांबळे यांची विद्यापीठाचे जा. क्र. पुअहोसोविसो/संलग्नता/ २०२५-२६/६८५८, दि.२६/०८/२०२५ रोजीच्या पत्रानुसार दि.२८/०८/२०२५ रोजी प्रस्तुत विद्यापीठात बैठकीचे आयोजन करण्यात आले होते. सदर बैठकीत १ ते ५ मुद्दयांचा समावेश करुन AAA Proforma या कार्यासनाच्या ई-मेलवर डॉ. रत्नदीप वाय. सोनकांबळे यांनी पाठविणेबाबत सर्वानुमते ठरले. <br> त्यानुसार डॉ. रत्नदीप वाय. सोनकांबळे प्रभारी प्राचार्य राजर्षि शाहू लॉ कॉलेज, बार्शी यांनी या कार्यासनाच्या ई-मेलवर दि.१५/०९/२०२५ रोजी AAA Proforma पाठविला. यावर दि.२६/०९/२०२५ रोजीच्या बैठकीत सर्वकष चर्चा होवून विधी महाविद्यालयांकरिता स्वतंत्र प्रश्नावली (AAA Proforma) तयार करुन आगामी अधिष्ठाता मंडळाच्या बैठकीत सादर करण्याचे सर्वानुमते ठरल्याने दि.०४/११/२०२५ रोजीच्या अधिष्ठाता मंडळाच्या बैठकीत विषय क्र. ०२ अन्वये विषय ठेवला असता त्यावर खालीलप्रमाणे ठराव पारित झाला आहे. <br> "प्रस्तुत विद्यापीठाशी संलग्नित विधी महाविद्यालयाचा विद्याविषयक दर्जा व विद्याविषयक प्रशासनाचा दर्जा (Academic and Administrative Audit-AAA) ठरविण्याकरिताचा Proforma (प्रश्नावली) अधिष्ठाता मंडळाने स्विकारुन विद्यापरिषदेकडे सर्वानुमते शिफारस करण्यात आली." <br> सबब, प्रस्तुत विद्यापीठाशी संलग्नित विधी महाविद्यालयाचा विद्याविषयक दर्जा व विद्याविषयक प्रशासनाचा दर्जा (Academic and Administrative Audit-AAA) ठरविण्याकरिताचा Proforma (प्रश्नावली) सर्वानुमते स्विकारुन अधिष्ठाता मंडळाने केलेली शिफारस विचारार्थ. | संलग्नता विभाग |
| ठराव: | **प्रस्तुत विद्यापीठाशी संलग्नित विधी महाविद्यालयाचा विद्याविषयक दर्जा व विद्याविषयक प्रशासनाचा दर्जा (Academic and Administrative Audit-AAA) ठरविण्याकरिता Proforma (प्रश्नावली) स्विकारण्याबाबत अधिष्ठाता मंडळाने केलेली शिफारस स्विकारुन सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
| --- | --- | --- |
| [ ५ ] | सुभाष लॉ कॉलेज, शंकरनगर, विंचूर या महाविद्यालयास बार कौन्सिल ऑफ इंडियाच्या मान्यतेसाठी प्रस्ताव सादर करणेकामी प्रस्तुत विद्यापीठाचे शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ साठीचे (एल.एल.बी. भाग १) संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास स्थानिक चौकशी समितीच्या अटींच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: सुभाष लॉ कॉलेज शंकरनगर, विंचूर या महाविद्यालयाकडून शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून एल. एल. बी. भाग १ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरण प्राप्त प्रस्तावासंदर्भात महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन सविस्तर अहवाल सादर करण्याकामी खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. आर. एस. हिरेमठ अध्यक्ष<br>२) श्रीमती एम. एस. मिठ्ठा सदस्य<br>३) श्री. पी.पी. वायचळ सदस्य<br>उक्त समिती सदस्यांनी सदर महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल या कार्यालयाकडे सादर केलेला असून, समितीने एल. एल. बी. भाग १ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ या एका वर्षाकरिता अटींच्या अधिन राहून शिफारस केली आहे.<br>सदर महाविद्यालयास दि.१५/०७/२०२४ रोजीच्या शासन निर्णयान्वये महाराष्ट्र शासनाची अंतिम मान्यता मिळाल्यानुसार बार कौन्सिल ऑफ इंडियाच्या मान्यतेसाठी प्रस्ताव सादर करणेबाबत प्रस्तुत विद्यापीठाकडून शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ व २०२५-२६ साठी संलग्निकरणाची मान्यता देण्यात आली होती. तथापि, सदर महाविद्यालयास अद्यापपर्यंत बार कौन्सिल ऑफ इंडियाची मान्यता प्राप्त झालेली नाही, ही वस्तुस्थिती आहे. सदरील शासन निर्णयातील अटी व शर्ती क्र. ९ मधील तरतूदीनुसार सदर महाविद्यालयास दि.१५/०७/२०२६ पर्यंत बार कौन्सिल ऑफ इंडियाची ची मान्यता मिळणेकामी प्रस्ताव सादर करणेबाबत प्रस्तुत विद्यापीठाचे शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ साठीचे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण पत्र आवश्यक आहे.<br>सबब, सुभाष लॉ कॉलेज, शंकरनगर, विंचूर या महाविद्यालयास बार कौन्सिल ऑफ इंडियाच्या मान्यतेसाठी प्रस्ताव सादर करणेकामी प्रस्तुत विद्यापीठाचे शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ साठीचे (एल.एल.बी. भाग १) संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास स्थानिक चौकशी समितीच्या खालील अटींच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>१) प्राचार्यांची नेमणूक व पाच सहाय्यक प्राध्यापकांची नेमणूक करणे.<br>२) एल. एल. एम. भाग १ साठी किमान २०,०००/- रुपयांची संदर्भग्रंथ खरेदी करावेत.<br>३) महाविद्यालयामध्ये (विविध) कार्यालये व ग्रंथालय फर्निचरयुक्त अद्यावत करावे.<br>उपरोक्त अटींची पूर्तता बार कौन्सिल ऑफ इंडियाची मान्यतेनंतर तात्काळ करण्यात यावी. | संलग्नता विभाग |
| ठराव: | सुभाष लॉ कॉलेज, शंकरनगर, विंचूर या महाविद्यालयास बार कौन्सिल ऑफ इंडियाच्या मान्यतेच्या अधिन राहून शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ या एका वर्षासाठी (एल.एल.बी. भाग १) संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ६ ] | **श्री. वीरतपस्वी चन्नवीर शिवाचार्य शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, सोलापूर या महाविद्यालयातील बी.एड. भाग १ व २ या अभ्यासक्रमास शैक्षणिक वर्ष २०२३-२४, २०२४-२५ व २०२५-२६ साठी ज्या अटींच्या अधिन राहून संलग्निकरणाची मान्यता देण्यात आली होती त्या अटी पूर्ततेची पडताळणी करणेकामी दि.१७/१०/२०२५ रोजीच्या विद्यापरिषद बैठकीतील ठराव क्र. ४ अन्वये मा. प्र-कुलगरु महोदयांच्या अध्यक्षतेखालील नियुक्त केलेल्या समितीचा अहवाल विचारार्थ.**<br>टिपणी: श्री. वीरतपस्वी चन्नवीर शिवाचार्य शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, सोलापूर या महाविद्यालयाची इमारत धोकादायक स्थितीत असल्याने व याबाबत Building Structure Audit Report हा नकारात्मक असल्याने सदर अटीचे गांभीर्य लक्षात घेता, नविन इमारतीमध्ये महाविद्यालय स्थलांतर करण्यात यावे व इतर अटीच्या अधिन राहून शैक्षणिक वर्ष २०२३-२४ व २०२४-२५ या कालावधीतील विद्यार्थी पास होवून बाहेर पडले असल्याने या दोन वर्षाकरिता संलग्निकरणाची नुतनीकरणाची मान्यता देण्यात आली होती.<br>तसेच शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ च्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासंदर्भात नियुक्त केलेल्या स्थानिक चौकशी समितीच्या ज्या अटीच्या अधिन राहून सदर महाविद्यालयाच्या संलगिनकरणाचे नुतनीकरणास मान्याता देण्यात आली होती. सदर अटींची पूर्तता झाली किंवा नाही याबाबतची पडताळणी करणेसाठी यापूर्वी नियुक्त केलेल्या डॉ. एस. ए. तांबे यांच्या अध्यक्षतेखालील पडताळणी समितीकडून अटींची पडताळणी करणेबाबत सुचित केले होते.<br>डॉ. एस. ए. तांबे यांच्या अध्यक्षतेखालील पडताळणी समितीचा अहवाल दि.१७/१०/२०२५ रोजीच्या विद्यापरिषद बैठकीत सादर केला असता ठराव क्र. ४ अन्वये मा. प्र-कुलगुरु महोदयांच्या अध्यक्षतेखाली खालील समितीची नियुक्ती करून सदर महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल सादर केल्यानंतर त्यानुसार पुढील कार्यवाही करण्याचे सर्वानुमते ठरले.<br>अ.क्र. — समिती सदस्याचे नाव — पदनाम<br>१) प्रा. (डॉ.) लक्ष्मीकांत बसवराज दामा — अध्यक्ष<br>२) प्राचार्य डॉ. बब्रुवान पांडुरंग रोंगे — सदस्य<br>३) डॉ. श्रीमती आयेशा मोहम्मद सादिक रंगरेज — सदस्य<br>४) डॉ. डी. एम. झोंबाडे — सदस्य<br>त्याअनुषंगाने विद्यापीठ पत्र क्र.पुअहोसोविसो/संलग्नता/२०२५-२६/८३०४, दि.०६/११/२०२५ नुसार मा. प्र-कुलगुरु महोदयांच्या अध्यक्षतेखालील नियुक्त केलेल्या समितीचा अहवाल प्राप्त झालेला आहे.<br>सबब, श्री. वीरतपस्वी चन्नवीर शिवाचार्य शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, सोलापूर या महाविद्यालयातील बी. एड. भाग १ व २ या अभ्यासक्रमास शैक्षणिक वर्ष २०२३-२४, २०२४-२५ व २०२५-२६ साठी ज्या अटींच्या अधिन राहून संलग्निकरणाची मान्यता देण्यात आली होती त्या अटी पूर्ततेची पडताळणी करणेकामी दि.१७/१०/२०२५ रोजीच्या विद्यापरिषद बैठकीतील ठराव क्र. ४ अन्वये मा. प्र-कुलगरु महोदयांच्या अध्यक्षतेखालील नियुक्त केलेल्या समितीचा अहवाल विचारार्थ. | संलग्नता विभाग |
| ठराव: | **श्री. वीरतपस्वी चन्नवीर शिवाचार्य शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, सोलापूर या महाविद्यालयातील बी. एड. भाग १ व २ या अभ्यासक्रमास शैक्षणिक वर्ष २०२३-२४, २०२४-२५ व २०२५-२६ साठी ज्या अटींच्या अधिन राहून संलग्निकरणाची मान्यता देण्यात आली होती त्या अटी पूर्ततेची पडताळणी करणेकामी दि.१७/१०/२०२५ रोजीच्या विद्यापरिषद बैठकीतील ठराव क्र. ४ अन्वये मा. प्र-कुलगरु महोदयांच्या अध्यक्षतेखालील नियुक्त केलेल्या समितीचा अहवाल स्विकारुन त्यास सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ७ ] | शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून माऊली शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, वडाळा या महाविद्यालयातील बी. एड. भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणाची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: माऊली शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, वडाळा या महाविद्यालयाकडून शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. एड. भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरण प्राप्त प्रस्तावासंदर्भात महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन सविस्तर अहवाल सादर करण्याकामी खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. आर. एस. हिरेमठ अध्यक्ष<br>२) डॉ. एम. एस. डिसले सदस्य<br>३) श्री. पी. व्ही. धनशेट्टी सदस्य<br>उक्त समिती सदस्यांनी सदर महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल या कार्यालयाकडे सादर केलेला असून, समितीने बी. एड. भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता अटीच्या अधिन राहून शिफारस केली आहे.<br>स्थानिक चौकशी समिती सुचविलेल्या अटीपूर्तता करण्याबाबत महाविद्यालयास पत्रान्वये कळविले होते. तथापि सदर महाविद्यालयाकडून अटीपूर्तता अहवाल प्राप्त झालेला नाही.<br>माऊली शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, वडाळा या महाविद्यालयातील बी. एड. भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता खालील अटीच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>१) एन.सी.टी.ई. च्या WRC/APW०२७८३/१२३३५५/३६६th/MH/२०२२/२२०७७१ दि.०३/११/२०२२ च्या संदर्भीय पत्रानुसार महाविद्यालयाची मान्यता काढून घेण्यात आली आहे. तरी संबंधित महाविद्यालयाने एन.सी.टी.ई (NCTE) ची मान्यता घेण्यात यावी. | संलग्नता विभाग |

| | | |
|---|---|---|
| | २) एन.सी.टी.ई. ची मान्यता घेऊन विद्यापीठ नियमानुसार महाविद्यालयात नियमित प्राचार्याची नेमणूक करावी.<br>३) विद्यापीठ निवड समिती मार्फत पूर्णवेळ ०६ (सहा) सहाय्यक प्राध्यापकांची नेमणूक करावी.<br>४) विद्यापीठ निवड समिती मार्फत ग्रंथपालाची नेमणूक करावी.<br>५) महाविद्यालयामध्ये बी.एड. अभ्यासक्रमाच्या नवीन प्रारुपाप्रमाणे किमान २५,०००/- हजार रुपयांची संदर्भ ग्रंथ खरेदी करावीत. | |
| ठराव: | माऊली शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, वडाळा या महाविद्यालयातील बी. एड. भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ८ ] | **यशवंतभाऊ पाटील महाविद्यालय, भोसे (क) या महाविद्यालयातील शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. ए. भाग १ ते ३ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: यशवंतभाऊ पाटील महाविद्यालय, भोसे (क) या महाविद्यालयाकडून शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. ए. भाग १ ते ३ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणाच्या प्राप्त प्रस्तावासंदर्भात महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन सविस्तर अहवाल सादर करणेकामी खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. व्ही. जी. कोरे (अध्यक्ष)<br>२) प्रा. डॉ. ए. व्ही. सोनकांबळे (सदस्य)<br>३) डॉ. पी. पी. तपकिरे (सदस्य)<br>उक्त समिती अध्यक्ष / सदस्यांनी सदर महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केलेला असून, समितीने सदर अहवालात बी. ए. भाग १ ते ३ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास सूचित केलेल्या अटींच्या पूर्ततेसंबंधी प्राचार्य किंवा अधिष्ठाता या स्तरावरील तीन सदस्यीय समिती गठीत करुन त्या समितीच्या अहवालाच्या अधिन राहून शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता शिफारस केलेली आहे.<br>स्थानिक चौकशी समितीने सुचविलेल्या अटीपूर्तता करणेबाबत महाविद्यालयास पत्रान्वये कळविण्यात आले होते. तथापि, सदरील महाविद्यालयाकडून विहित वेळेत अटीपूर्तता अहवाल या कार्यालयास प्राप्त न झाल्याने पुनश्च: स्मरणपत्राद्वारे व दूरध्वनीद्वारे अटीपूर्तता अहवाल सादर करणेबाबत कळविले आहे. तथापि महाविद्यालयाकडून अटीपूर्तता अहवाल अद्यापपर्यंत प्राप्त झालेला नाही.<br>सबब, यशवंतभाऊ पाटील महाविद्यालय, भोसे (क) या महाविद्यालयातील शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. ए. भाग १ ते ३ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता खालील अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>१) महाविद्यालयाची इमारत संस्थेच्या मालकीची नसून ग्रामपंचायत सोबत भाडेकरारावर इमारत उपलब्ध आहे. सदर इमारतीचा काही भेगांमुळे धोकादायक स्थितीत आहे. सदर इमारतीचे स्ट्रक्चरल ऑडिट तातडीने करुन घेणे आवश्यक आहे. | संलग्नता विभाग |

| | | |
|---|---|---|
| | २) विद्यार्थी संख्येच्या प्रमाणात पुरेशी इमारत, पुरेसे वर्गाचे आकारमान, विद्यार्थ्यासाठी बैठकीची स्वतंत्र खोली, विद्यार्थीनीसाठी बैठकीची स्वतंत्र खोली, विद्यार्थीनीसाठी स्वतंत्र स्वच्छतागृहाची सोय उपलब्ध नाही त्या संदर्भात संस्थेने कारवाई करणे आवश्यक आहे.<br>३) विद्यापीठाच्या नियमानुसार नियमित प्राचार्य, आवश्यक शिक्षक, ग्रंथपाल आणि फिजिकल डायरेक्टर यांची नेमणूक करण्यात यावी.<br>४) ग्रंथालयासाठी NEP (Minimum Essential Programme) नुसार किमान तीस हजार रुपयांचे संदर्भग्रंथांची खरेदी करण्यात यावी.<br>५) किमान ५ शैक्षणिक मासिकांची सदस्यता (Subscription List) घ्यावी.<br>६) ग्रंथालय व वाचन कक्षाची स्वतंत्र व्यवस्था करण्यात यावी.<br>७) प्राचार्य व शिक्षकांसाठी स्वतंत्र कक्षाची व्यवस्था करण्यात यावी.<br>८) मुलींसाठी सर्व सुविधांसह स्वतंत्र खोली व स्वच्छतागृहाची सुसज्ज व्यवस्था करावी.<br>९) विद्यार्थी संख्येनुसार जिमखानाच्या साहित्याची खरेदी करण्यात यावी. | |
| ठराव: | यशवंतभाऊ पाटील महाविद्यालय, भोसे (क) या महाविद्यालयाने वरील अटींची पूर्तता केली आहे किंवा नाही याची पडताळणी करण्यासाठी फेरसमिती गठीत करावी असे सर्वानुमते ठरले. समिती गठीत करण्याचे अधिकार मा.कुलगुरु महोदयांना देण्यात यावे असे ठरले.<br>तसेच मा.कुलगुरु नियुक्त समिती सदस्यांचा प्रवास व दैनिक भत्ता याचा खर्च संबंधित महाविद्यालयांने करावा असे सर्वानुमते ठरले. | |

<table>
<tr><th>अ.क्र.</th><th>विषय / बाब</th><th>विभाग</th></tr>
<tr><td>[ ९ ]</td><td>
श्री विद्या विकास मंडळ, मंगळवेढा, जि. सोलापूर या संस्थेचे संचलित श्री. संत दामाजी महाविद्यालय, मंगळवेढा या महाविद्यालयातील बी. सी. ए. अभ्यासक्रम शासन मान्यतेच्या अनुषंगाने शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० पासून टप्प्या-टप्प्याने बंद करण्यास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.
टिपणी: श्री विद्या विकास मंडळ, मंगळवेढा, जि. सोलापूर या संस्थेचे संचलित श्री. संत दामाजी महाविद्यालय, मंगळवेढा या महाविद्यालयाचे प्राचार्य यांचेकडून उक्त महाविद्यालयातील बी. सी. ए. हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० पासून बंद करण्याबाबतचा प्रस्ताव प्राप्त झाला होता.
<table>
<tr><th>संस्थेचे नाव</th><th>महाविद्यालयाचे नाव</th><th>बंद करावयाचा अभ्यासक्रम</th><th>बंद करण्याचे वर्ष</th><th>अनुदानाचा प्रकार</th></tr>
<tr><td>श्री विद्या विकास मंडळ, मंगळवेढा, जि. सोलापूर</td><td>श्री. संत दामाजी महाविद्यालय, मंगळवेढा, जि.सोलापूर</td><td>बी. सी. ए.</td><td>शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० पासून</td><td>कायम विनाअनुदानित</td></tr>
</table>
श्री. संत दामाजी महाविद्यालय, मंगळवेढा, ता. मंगळवेढा या महाविद्यालयातील बी. सी. ए. या अभ्यासक्रमास शासन पत्र क्र. एनजीसी २००८/(२७५/०८)/मशि-३ दि.१२/०८/२००८ अन्वये महाराष्ट्र शासनाची शैक्षणिक वर्ष २००८-०९ पासून कायम विनाअनुदानित तत्त्वावर मान्यता मिळाली होती. प्रस्तुत विद्यापीठाने महाराष्ट्र शासनाच्या मान्यतेस अनुसरुन बी. सी. ए. या अभ्यासक्रमास शैक्षणिक वर्ष २००८-०९ पासून कायम विनाअनुदानित तत्त्वावर मान्यता दिलेली होती.
परंतु संस्थेला विद्यार्थी उपलब्ध होत नसल्यामुळे संस्थेने श्री. संत दामाजी महाविद्यालय, मंगळवेढा या महाविद्यालयातील बी. सी. ए. हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० पासून बंद करण्याचा निर्णय घेतला असल्याचे प्राप्त प्रस्तावामध्ये नमूद केले होते.
अभ्यासक्रम बंद करण्याबाबत प्राप्त प्रस्तावावर संबंधित महाविद्यालयाला भेट देऊन आवश्यक ती चौकशी करुन सविस्तर अहवाल सादर करण्यासाठी महाराष्ट्र सार्वजनिक विद्यापीठ अधिनियम, २०१६ कलम १२१(३) अन्वये स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्याचे अधिकार विद्यापरिषदेस आहेत.
परंतु, विद्यापरिषदेची बैठक संपन्न झाली होती. नजीकच्या काळात बैठक लवकर आयोजित होण्याची शक्यता नव्हती, त्यामुळे सदर अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० पासून बंद करण्याची कार्यवाही विहित वेळेत होण्यास्तव पुढील योग्य ती कार्यवाही करणेकामी महाविद्यालयास भेट देवून सविस्तर अहवाल सादर करण्यासाठी मा. कुलगुरु महोदयांच्या अधिकारात महाराष्ट्र सार्वजनिक विद्यापीठ अधिनियम, २०१६ कलम १२(७) अन्वये विद्यापरिषदेच्या वतीने खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती सदस्यांचे नामनिर्देशन केलेले होते.
१. प्राचार्य डॉ. डी. एस. तिकटे (अध्यक्ष)<br>२. डॉ. एस. आर. मेंते (सदस्य)<br>३. डॉ. डी. एस. सुत्रावे (सदस्य)
</td><td>संलग्नता विभाग</td></tr>
</table>

सदर समितीने उपरोक्त महाविद्यालयास भेट देवून सविस्तर अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केलेला होता. सदर अहवालात समितीने श्री. संत दामाजी महाविद्यालय, मंगळवेढा या महाविद्यालयातील बी. सी. ए. हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० पासून कायम बंद करण्याची शिफारस केलेली होती.

महाराष्ट्र सार्वजनिक विद्यापीठ अधिनियम, २०१६ मधील कलम १२१(३)(४) मधील तरतूदीनुसार, अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० पासून बंद करण्यासंदर्भात नियुक्त स्थानिक चौकशी समितीने केलेली शिफारस दि.२०/०८/२०१९ रोजीच्या विद्यापरिषदेने ठराव क्र. ०९ अन्वये व्यवस्थापन परिषदेस तर दि.१९/०९/२०१९ रोजीच्या व्यवस्थापन परिषदेने ठराव क्र. ११(१२) नुसार शासनास शिफारस केली होती.

व्यवस्थापन परिषदेच्या शिफारशीस अनुसरुन महाराष्ट्र सार्वजनिक विद्यापीठ अधिनियम, २०१६ कलम १२१(५) मधील तरतूदीनुसार सदर अभ्यासक्रम बंदचा प्रस्ताव मान्यतेस्तव पत्र क्र. पुअहोसोवसो/संलग्नता/२०१९/७७२५, दि.०५/१०/२०१९ अन्वये शासनास सादर करण्यात आला होता.

मा. प्राचार्य, श्री. संत दामाजी महाविद्यालय, मंगळवेढा या महाविद्यालयाच्या प्राचार्यांनी दि.०६/१२/२०२५ रोजीचे पत्र क्र SSDM/SR/२६८/२०२५ अन्वये बी. सी. ए. अभ्यासक्रम बंदची शासन मान्यता प्राप्त झाली असून, त्यास महाविद्यालयाची हरकत नाही असे कळविले आहे.

तथापि, शासनाकडून विद्यापीठाकडे सदरील अभ्यासक्रम बंदची मान्यता प्राप्त झालेली नाही. परंतु सदरील अभ्यासक्रम बंद करण्यास महाराष्ट्र शासन मान्यता प्राप्त झाली असल्याचे महाविद्यालयाच्या पत्रासोबतच्या सहपत्रावरुन दिसून येते. महाराष्ट्र शासनाने आदेश क्र. एनजीसी-२०२०/(०२/२०२०)/मशि-४, दि.२७/०२/२०२० अन्वये श्री.संत दामाजी महाविद्यालय, मंगळवेढा या महाविद्यालयातील बी. सी. ए. हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० पासून टप्प्या-टप्प्याने बंद करण्यास मान्यता दिली आहे.

महाराष्ट्र सार्वजनिक विद्यापीठ अधिनियम, २०१६ कलम १२१(५) मध्ये खालीलप्रमाणे नमूद आहे. "त्यानंतर, विद्यापरिषद, व्यवस्थापन परिषदेच्या पूर्वसहमतीने व राज्य शासनाच्या मान्यतेने, संलग्न महाविद्यालयाला किंवा मान्यताप्राप्त परिसंस्थेला, ते महाविद्यालय किंवा ती मान्यताप्राप्त परिसंस्था बंद करण्यास परवानगी द्यावी किंवा कसे ते ठरवील."

सदरील कलमान्वये सदर अभ्यासक्रम बंद करण्याबाबत महाराष्ट्र शासन यांची प्राप्त झालेली मान्यता माहितीस्तव तथा सदरील अभ्यासक्रम बंदची अंतिम मान्यता महाविद्यालयास निर्गमित करणेकरिता विद्यापरिषदेची मान्यता असणे आवश्यक आहे.

सबब, श्री विद्या विकास मंडळ, मंगळवेढा, जि. सोलापूर या संस्थेचे संचलित श्री. संत दामाजी महाविद्यालय, मंगळवेढा या महाविद्यालयातील बी. सी. ए. अभ्यासक्रम शासन मान्यतेच्या अनुषंगाने शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० पासून टप्प्या-टप्प्याने बंद करण्यास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.

ठराव: **श्री विद्या विकास मंडळ, मंगळवेढा, जि. सोलापूर या संस्थेचे संचलित श्री. संत दामाजी महाविद्यालय, मंगळवेढा या महाविद्यालयातील बी. सी. ए. अभ्यासक्रम शासन मान्यतेच्या अनुषंगाने शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० पासून टप्प्या-टप्प्याने बंद करण्यास सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.**

<table>
<tr><th>अ.क्र.</th><th>विषय / बाब</th><th>विभाग</th></tr>
<tr><td>[ १० ]</td><td>
प्रस्तुत विद्यापीठ संलग्नित महाविद्यालयातील अभ्यासक्रमांचे संलग्निकरणाचे नुतनीकरणाकरिता एक वर्षापेक्षा जास्त शिफारस केली असल्यास, संबंधित महाविद्यालयाच्या पडताळणीसाठी विद्यापरिषदेच्या दिनांक ०३/०९/२०२४ रोजीच्या बैठकीमधील ठराव क्र.१०२(२), दिनांक २५/११/२०२४ रोजीच्या बैठकीमधील दुरुस्ती ठराव क्र. ०१ आणि दिनांक २८/१२/२०२४ रोजीच्या बैठकीमधील ठराव क्र. ५(१) नुसार गठीत करण्यात आलेल्या त्रिसदस्यीय भरारी पथकाकडून १२ महाविद्यालयांचा प्राप्त झालेला अहवाल विचारार्थ.<br>
टिपणी:<br>
संदर्भ:
<table>
<tr><td>१)</td><td>विद्यापरिषदेच्या दि.०३/०९/२०२४ रोजीच्या बैठकीतील ठराव क्र. १०२(२).</td></tr>
<tr><td>२)</td><td>विद्यापरिषदेच्या दि.२५/११/२०२४ रोजीच्या बैठकीतील ठराव क्र. ०१.</td></tr>
<tr><td>३)</td><td>विद्यापरिषदेच्या दि.२८/१२/२०२४ रोजीच्या बैठकीतील ठराव क्र. ५(१).</td></tr>
<tr><td>४)</td><td>या कार्यासनाचे पत्र क्र. पुअहोसोविसो/संलग्नता/२०२४२५/१७०६, दि.०१/०३/२०२५.</td></tr>
<tr><td>५)</td><td>या कार्यासनाचे स्मरणपत्र क्र. १ पुअहोसोविसो/संलग्नता/२०२५-२६ /८२०६, दि.३१/१०/२०२५.</td></tr>
<tr><td>६)</td><td>भरारी पथकाचा दि.२१/०१/२०२६ रोजी प्राप्त झालेला अहवाल.</td></tr>
</table>
विद्यापरिषदेच्या दि.०३/०९/२०२४ रोजीच्या बैठकीमध्ये खालीलप्रमाणे ठराव क्र. १०२(२) पारित झालेला होता (संदर्भ क्र. १).<br>
"सदर बैठकीतील व यापुढील बैठकांमध्ये येणाऱ्या विषयांमध्ये स्थानिक चौकशी समितीने एका वर्षापेक्षा जास्त वर्षासाठी संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणाची शिफारस केली असल्यास पुढील वर्षांचे संलग्निकरण शुल्क भरुन घ्यावे व त्यानंतरच नुतनीकरणाचे पत्र देण्यात यावे. तसेच सदर महाविद्यालयांच्या तपासणीसाठी विद्यापीठाचे भरारी पथक ४ दिवसांची मुदत देऊन केव्हाही तपासणीसाठी भेट देईल आणि त्या भरारी पथकाचा प्रवास व दैनिक भत्ता याचा खर्च संबंधित महाविद्यालयांनी करावा असे सर्वानुमते ठरले. "<br>
तद्नंतर विद्यापरिषदेच्या दि.२५/११/२०२४ रोजीच्या बैठकीमध्ये खालीलप्रमाणे दुरुस्त केलेला ठराव क्र. ०१ पारित झाला असून, त्यातील मुद्दा क्र. १ खालीलप्रमाणे आहे (संदर्भ क्र. २).<br>
"१. स्थानिक चौकशी समितीने एका वर्षापेक्षा जास्त वर्षासाठी संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणाची शिफारस केली असल्यास सदर महाविद्यालयांच्या तपासणीसाठी विद्यापीठाचे भरारी पथक ४ दिवसांची मुदत देऊन केव्हाही तपासणीसाठी भेट देईल आणि त्या भरारी पथकाचा प्रवास व दैनिक भत्ता याचा खर्च संबंधित महाविद्यालयांनी करावा असे सर्वानुमते ठरले."
</td><td>संलग्नता विभाग</td></tr>
</table>

| | |
|---|---|
| | तद्नंतर विद्यापरिषदेच्या दि.२८/१२/२०२४ रोजीच्या बैठकीमध्ये खालीलप्रमाणे ठराव क्र. ५(१) पारित झालेला होता (संदर्भ क्र. ३).<br>"संलग्नित महाविद्यालयांच्या तपासणीसाठी भरारी पथक पाठविण्याबाबत विद्यापरिषदेच्या दि.०३/०९/२०२४ व दि.२५/११/२०२४ रोजीच्या बैठकीमध्ये ठराव पारित करण्यात आलेले असून भरारी पथक नियुक्त करण्याचे सर्वाधिकार मा. कुलगुरु महोदयांना देण्याचे सर्वानुमते ठरले."<br>त्यानुसार मा. कुलगुरु महोदयांकडून खालीलप्रमाणे भरारी पथक नियुक्त करण्यात आले होते. त्यानुसार संदर्भ क्र. ४ व ५ अन्वये संबंधितांना कळविण्यात आले होते.<br>१) प्रा. डॉ. व्ही. जी. कोरे (अध्यक्ष)<br>२) प्राचार्य डॉ. आर. एस. गायकवाड (सदस्य)<br>३) डॉ. पी. पी. तपकिरे (सदस्य)<br>सदरील त्रिसदस्यीय भरारी पथकाने प्रस्तुत विद्यापीठ संलग्नित १२ महाविद्यालयांना भेट देवून संदर्भ क्र. ६ अन्वये त्यांचा अहवाल सादर केला असून, अहवाल सोबत जोडलेला आहे.<br>सबब, प्रस्तुत विद्यापीठ संलग्नित महाविद्यालयातील अभ्यासक्रमांचे संलग्निकरणाचे नुतनीकरणाकरिता एक वर्षापेक्षा जास्त शिफारस केली असल्यास, संबंधित महाविद्यालयाच्या पडताळणीसाठी विद्यापरिषदेच्या दि.०३/०९/२०२४ रोजीच्या बैठकीमधील ठराव क्र. १०२(२), दि.२५/११/२०२४ रोजीच्या बैठकीमधील दुरुस्ती ठराव क्र. ०१ आणि दि.२८/१२/२०२४ रोजीच्या बैठकीमधील ठराव क्र. ५(१) नुसार गठीत करण्यात आलेल्या त्रिसदस्यीय भरारी पथकाकडून १२ महाविद्यालयांचा प्राप्त झालेला अहवाल विचारार्थ. |
| ठराव: | **प्रस्तुत विद्यापीठ संलग्नित महाविद्यालयातील अभ्यासक्रमांचे संलग्निकरणाचे नुतनीकरणाकरिता एक वर्षापेक्षा जास्त शिफारस केली असल्यास, संबंधित महाविद्यालयाच्या पडताळणीसाठी विद्यापरिषदेच्या दिनांक ०३/०९/२०२४ रोजीच्या बैठकीमधील ठराव क्र.१०२(२), दिनांक २५/११/२०२४ रोजीच्या बैठकीमधील दुरुस्ती ठराव क्र. ०१ आणि दिनांक २८/१२/२०२४ रोजीच्या बैठकीमधील ठराव क्र. ५(१) नुसार गठीत करण्यात आलेल्या त्रिसदस्यीय भरारी पथकाकडून १२ महाविद्यालयांचा प्राप्त झालेल्या अहवाल स्विकारुन सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. तसेच भरारी पथक रद्द करण्यात यावे असे सवानुमते ठरले.** |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ११ ] | **उमा शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, पंढरपूर या महाविद्यालयातील शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बी. एड्. भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ या एका वर्षाकरिता अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: उमा शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, पंढरपूर या महाविद्यालयाकडून शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बी. एड्. भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणाच्या प्राप्त प्रस्तावासंदर्भात महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन सविस्तर अहवाल सादर करणेकामी खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) प्राचार्य डॉ. राजशेखर एस. हिरेमठ (अध्यक्ष)<br>२) डॉ. डी. एस. वाघमारे (सदस्य)<br>३) श्री. ओ. एस. विडकर (सदस्य)<br>उक्त समिती अध्यक्ष / सदस्यांनी सदर महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केलेला असून, समितीने बी. एड्. भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ या एका वर्षाकरिता अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून शिफारस केलेली आहे.<br>त्यानुसार स्थानिक चौकशी समितीने सुचविलेल्या अटींचीपूर्तता करणेबाबत महाविद्यालयास पत्रान्वये कळविण्यात आले होते, त्यानुषंगाने महाविद्यालयाकडून प्राप्त झालेला अटीपूर्तता अहवाल सोबत जोडला आहे.<br>सबब, उमा शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, पंढरपूर या महाविद्यालयातील शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बी. एड्. भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ या एका वर्षाकरिता खालील अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>१) विद्यापीठ निवड समितीमार्फत प्राचार्यांची नेमणूक करावी.<br>२) विद्यापीठ निवड समितीमार्फत विज्ञान, गणित व शिक्षणाचे अधिष्ठान अशा एकूण तीन सहाय्यक प्राध्यापकांची नेमणूक करावी.<br>३) विद्यापीठ निवड समितीमार्फत ग्रंथपालाची नेमणूक करावी. | संलग्नता विभाग |
| ठराव: | **उमा शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, पंढरपूर या महाविद्यालयातील बी. एड्. भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ या एका वर्षाकरिता खालील अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.**<br>**१) विद्यापीठ निवड समितीमार्फत प्राचार्यांची नेमणूक करावी.**<br>**२) विद्यापीठ निवड समितीमार्फत विज्ञान, गणित व शिक्षणाचे अधिष्ठान अशा एकूण तीन सहाय्यक प्राध्यापकांची नेमणूक करावी.**<br>**३) विद्यापीठ निवड समितीमार्फत ग्रंथपालाची नेमणूक करावी.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
| --- | --- | --- |
| [ १२ ] | यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ पासून एम. ए. (इंग्रजी) भाग १ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग २ च्या नैसर्गिक विस्तारास स्थानिक चौकशी समितीने केलेल्या शिफारशीनुसार शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ ते २०१५-१६ या नऊ वर्षाकरिता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: दि.२८/०४/२०२५ रोजीच्या व्यवस्थापन परिषदेच्या बैठकीतील ठराव क्र.२ नुसार शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ पासून एम. ए. (इंग्रजी) भाग १ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग २ च्या नैसर्गिक विस्ताराच्या प्रस्तावासंदर्भात दंडाची रक्कम माफ करुन, शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ पासून २०१४-१५ पर्यंत प्रति वर्षाप्रमाणे संलग्नता शुल्क (संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व नैसर्गिक विस्ताराचे एकत्रित प्रस्ताव व एकत्रित शुल्क रु.५,०००/- याप्रमाणे ८ वर्षाचे) आकारुन यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयाकडून प्राप्त झालेल्या प्रस्तावासंदर्भात महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन सविस्तर अहवाल सादर करण्याकामी खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. व्ही. जी. कोरे (अध्यक्ष)<br>२) डॉ. एच. के. आवताडे (सदस्य)<br>३) श्री. व्ही. एम. गड्डम (सदस्य)<br>उक्त समिती सदस्यांनी सदर महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल या कार्यालयाकडे सादर केलेला असून, समितीने शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ पासून एम. ए. (इंग्रजी) भाग १ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग २ च्या नैसर्गिक विस्तारास शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ ते २०१५-१६ या नऊ वर्षाकरीता विनाअट शिफारस केलेली आहे.<br>एम. ए. (इंग्रजी) या अभ्यासक्रमास आवश्यक विद्यार्थी संख्या उपलब्ध होत नसल्याने संस्थेने शैक्षणिक वर्ष २०१५-१६ पासून सदर अभ्यासक्रम बंद करण्याबाबतचा प्रस्ताव सादर केला होता. सदर प्रस्तावासंदर्भात डॉ. एन. बी. पवार यांच्या अध्यक्षतेखाली नियुक्त केलेल्या समितीने महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठास सादर केला असून, अहवालात समितीने एम. ए. (इंग्रजी) हा पदव्युत्तर अभ्यासक्रम बंद करण्याची शिफारस केलेली आहे. | संलग्नता विभाग |

परंतु महाविद्यालयाने सदरील अभ्यासक्रमाचे शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ ते २०१५-१६ पर्यंतचे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व नैसर्गिक विस्ताराचे प्रस्ताव विद्यापीठास सादर केले नसल्याने संलग्निकरणाची कार्यवाही झालेली नाही. तसेच त्यादरम्यान संलग्निकरण नसताना महाविद्यालयाने सदर अभ्यासक्रमास प्रवेश दिलेले विद्यार्थी पास होवून गेलेले आहेत. त्यामुळे शैक्षणिक वर्ष २०१५-१६ पासूनच्या एम. ए. (इंग्रजी) या अभ्यासक्रमाच्या बंदच्या प्रस्तावावरील पुढील कार्यवाही प्रलंबित आहे.

सबब, यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ पासून एम. ए. (इंग्रजी) भाग १ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग २ च्या नैसर्गिक विस्तारास स्थानिक चौकशी समितीने केलेल्या शिफारशीनुसार शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ ते २०१५-१६ या नऊ वर्षाकरिता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.

ठराव: यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील एम. ए. (इंग्रजी) भाग १ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग २ च्या नैसर्गिक विस्तारास स्थानिक चौकशी समितीने केलेल्या शिफारशीनुसार शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ ते २०१५-१६ या नऊ वर्षाकरिता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ १३ ] | यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील कायम विनाअनुदानित तत्वावरील एम. ए. (मराठी) हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बंद करण्याबाबत स्थानिक चौकशी समितीने केलेली शिफारस स्विकारुन व्यवस्थापन परिषदेस शिफारस करण्याची बाब विचारार्थ. | संलग्नता विभाग |

टिपणी: मा. सचिव, विद्या विकास मंडळ, करमाळा यांनी संस्थेचे संचलित यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील एम. ए. (मराठी) हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बंद करण्याबाबतचा प्रस्ताव प्राप्त झाला आहे.

| संस्थेचे नाव | महाविद्यालयाचे नाव | बंद करावयाचा अभ्यासक्रम | बंद करावयाचे वर्ष | अनुदानाचा प्रकार |
|---|---|---|---|---|
| विद्या विकास मंडळ, करमाळा, जि. सोलापूर | यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा, जि. सोलापूर | एम. ए. (मराठी) | शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून | कायम विनाअनुदानित |

सदर महाविद्यालयातील एम. ए. (मराठी) या अभ्यासक्रमास शासन आदेश क्र. अभ्यास २००७/(११४/०७)/मशि-३, दि.१६ जून, २००७ अन्वये महाराष्ट्र शासनाची शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ पासून कायम विनाअनुदानित तत्त्वावर मान्यता मिळाली होती. त्याअनुरोधाने प्रस्तुत विद्यापीठाने सदर अभ्यासक्रमास शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ पासून मान्यता दिली असून, महाविद्यालयाने सदर अभ्यासक्रमास प्रस्तुत विद्यापीठाचे शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पर्यंत संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणास मान्यता घेतली आहे.

तथापि, एम. ए. (मराठी) या अभ्यासक्रमास विद्यार्थी प्रवेश अभाव व LMS प्रणालीमुळे संस्थेने संचलित यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील एम. ए. (मराठी) हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बंद करण्याचा निर्णय घेतला असल्याचे प्राप्त प्रस्तावात नमूद केले आहे.

सदर अभ्यासक्रम बंद करण्याबाबत प्राप्त प्रस्तावावर संबंधित महाविद्यालयाला भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन सविस्तर अहवाल सादर करण्यासाठी विद्यापरिषदेने दि.१७/१०/२०२५ रोजीच्या बैठकीत ठराव क्र. ५ नूसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.

१. प्राचार्य डॉ. आय. जे. तांबोळी (अध्यक्ष)
२. प्राचार्य डॉ. एम. एस. कदम (सदस्य)
३. डॉ. तानाजी देशमुख (सदस्य)

| | | |
|---|---|---|
| | सदरील समितीने उपरोक्त महाविद्यालयास भेट देवून सविस्तर अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केलेला आहे. सदर अहवालात समितीने यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील एम. ए. (मराठी) भाग १ व २ हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून विनाअट शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील कायम विनाअनुदानित तत्वावरील एम. ए. (मराठी) हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बंद करण्याबाबत स्थानिक चौकशी समितीने केलेली शिफारस स्विकारुन व्यवस्थापन परिषदेस शिफारस करण्याची बाब विचारार्थ. | |
| ठराव: | **यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील कायम विनाअनुदानित तत्वावरील एम. ए. (मराठी) हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बंद करण्याबाबत स्थानिक चौकशी समितीने केलेली शिफारस स्विकारुन सर्वानुमते व्यवस्थापन परिषदेस शिफारस करण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ १४ ] | यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील कायम विनाअनुदानित तत्वावरील एम. ए. (हिंदी) हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बंद करण्याबाबत स्थानिक चौकशी समितीने केलेली शिफारस स्विकारुन व्यवस्थापन परिषदेस शिफारस करण्याची बाब विचारार्थ. | संलग्नता विभाग |

टिपणी: मा. सचिव, विद्या विकास मंडळ, करमाळा यांनी संस्थेचे संचलित यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील एम. ए. (हिंदी) हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बंद करण्याबाबतचा प्रस्ताव प्राप्त झाला आहे.

| संस्थेचे नाव | महाविद्यालयाचे नाव | बंद करावयाचा अभ्यासक्रम | बंद करावयाचे वर्ष | अनुदानाचा प्रकार |
|---|---|---|---|---|
| विद्या विकास मंडळ, करमाळा, जि. सोलापूर | यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा, जि. सोलापूर | एम. ए. (हिंदी) | शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून | कायम विनाअनुदानित |

सदर महाविद्यालयातील एम. ए. (हिंदी) या अभ्यासक्रमास शासन आदेश क्र. अभ्यास २००७/(११४/०७)/मशि-३, दि. १६ जून, २००७ अन्वये महाराष्ट्र शासनाची शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ पासून कायम विनाअनुदानित तत्त्वावर मान्यता मिळाली होती. त्याअनुरोधाने प्रस्तुत विद्यापीठाने सदर अभ्यासक्रमास शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ पासून मान्यता दिली असून, महाविद्यालयाने सदर अभ्यासक्रमास प्रस्तुत विद्यापीठाचे शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पर्यंत संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणास मान्यता घेतली आहे.

तथापि, एम. ए. (हिंदी) या अभ्यासक्रमास विद्यार्थ्यांचा अभाव व उपस्थितीसाठी महाराष्ट्र शासनाने लागू केलेल्या LMS प्रणालीमुळे संस्थेने संचलित यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील एम. ए. (हिंदी) हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बंद करण्याचा निर्णय घेतला असल्याचे प्राप्त प्रस्तावात नमूद केले आहे.

सदर अभ्यासक्रम बंद करण्याबाबत प्राप्त प्रस्तावावर संबंधित महाविद्यालयाला भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन सविस्तर अहवाल सादर करण्यासाठी विद्यापरिषदेने दि.१७/१०/२०२५ रोजीच्या बैठकीत ठराव क्र. ६ नूसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.

१. प्राचार्य डॉ. आय. जे. तांबोळी (अध्यक्ष)
२. डॉ. डी. एस. खांडेकर (सदस्य)
३. डॉ. जी. आर. काशीद (सदस्य)

| | | |
|---|---|---|
| | सदरील समितीने उपरोक्त महाविद्यालयास भेट देवून सविस्तर अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केलेला आहे. सदर अहवालात समितीने यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील एम. ए. (हिंदी) भाग १ व २ हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून विना अट शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील कायम विनाअनुदानित तत्वावरील एम. ए. (हिंदी) हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बंद करण्याबाबत स्थानिक चौकशी समितीने केलेली शिफारस स्विकारुन व्यवस्थापन परिषदेस शिफारस करण्याची बाब विचारार्थ. | |
| ठराव: | **यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाळा या महाविद्यालयातील कायम विनाअनुदानित तत्वावरील एम. ए. (हिंदी) हा अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बंद करण्याबाबत स्थानिक चौकशी समितीने केलेली शिफारस स्विकारुन सर्वानुमते व्यवस्थापन परिषदेस शिफारस करण्यात आली.** | |

<table>
<tr><th>अ.क्र.</th><th>विषय / बाब</th><th>विभाग</th></tr>
<tr><td>[ १५ ]</td><td>
दि. २८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्या परिषदेच्या बैठकीतील ठराव क्र. २७ च्या अनुरोधाने शिवशंभो महाविद्यालय, कण्हेर या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी.एस्सी. भाग १ व २ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग ३ च्या नैसर्गिक विस्तार या अभ्यासक्रमासंदर्भात महाविद्यालयाने अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरीता मा. कुलगुरु महोदयांनी नियुक्त केलेल्या प्रा. डॉ. बी. जे. लोखंडे यांच्या समितीने सादर केलेला अहवाल विचारार्थ.
टिपणी: शिवशंभो महाविद्यालय, कण्हेर, ता. माळशिरस या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. एस्सी. भाग १ व २ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग ३ च्या नैसर्गिक विस्तारास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब दि. २८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्या परिषदेच्या बैठकीत विचारार्थ सादर केली असता, त्यावर ठराव क्र. २७ अन्वये खालीलप्रमाणे ठराव पारित झाला होता.
"सदर महाविद्यालयातील शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. एस्सी. भाग १ व २ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग ३ च्या नैसर्गिक विस्तारास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता स्थानिक चौकशी समितीने सूचित केलेल्या अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.
तसेच सदर महाविद्यालयास दोन महिन्यानंतर अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरिता एक समिती पाठविण्यात यावी व त्या समितीचा खर्च संबंधीत महाविद्यालयाने करावा असेही सर्वानुमते ठरले."
उपरोक्त ठरावाच्या अनुरोधाने विद्यापीठाचे पत्र क्र. पुअहोसोविसो/संलग्नता/ २०२५-२६/६४९६, दि.१३/०८/२०२५ अन्वये शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता मान्यता पत्र निर्गमित करण्यात आले आहे. तसेच ठरावाच्या अनुरोधाने मा. कुलगुरु महोदयांनी महाविद्यालयाने सदरील अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याची पडताळणी करणेकामी नियुक्त केलेल्या प्रा. डॉ. बी. जे. लोखंडे यांच्या समितीने महाविद्यालयास प्रत्यक्ष भेट देवून खालीलप्रमाणे अहवाल सादर केलेला आहे.
<table>
<tr><th>अट क्र.</th><th>स्थानिक चौकशी समितीच्या अटी</th><th>अटी पडताळणी समितीची शेरा</th></tr>
<tr><td>१.</td><td>विज्ञान विषय प्रयोगशाळेसाठी आवश्यक साहित्य यामध्ये Compound microscope, Dissecting microscope, Titration Kit, Biological charts तसेच Glassware यामध्ये Conical Flask, Pipette, Measuring cylinder, Petri plates हे साहित्य खरेदी करावे.</td><td>प्रयोगशाळांसाठी आवश्यक मूलभूत तसेच उन्नत साधनसामग्री उपलब्ध असल्याचे आढळले. सर्व उपकरणांची स्थिती योग्य व वापरासाठी सुरक्षित असल्याचे दिसून आले.</td></tr>
</table>
</td><td>संलग्नता विभाग</td></tr>
</table>

| | | |
|---|---|---|
| २. | पदार्थविज्ञान प्रयोगशाळेसाठी Dark Room, रसायनशास्त्र व सूक्ष्मजीवशास्त्र विषयासाठी Prepartion Room तयार करावी. | भौतिकशास्त्र विभागासाठी स्वतंत्र डार्क रुम तयार करण्यात आली आहे. रसायनशास्त्र व मायक्रोबायोलॉजी विभागासाठी स्वतंत्र प्रिपरेशन रुम उपलब्ध करण्यात आली असून ती कार्यक्षम अवस्थेत आहे. |
| ३. | विज्ञान विषयासाठी आवश्यक पाठयपुस्तके व संदर्भग्रंथ रु.३०,०००/- ची खरेदी करावीत. | पाठयपुस्तके, संदर्भ ग्रंथ तसेच पूरक अध्ययन साहित्य उपलब्ध असल्याचे आढळले. अंदाजे रु.३०,०००/- किमतीची नवीन पुस्तके महाविद्यालयाने खरेदी केलेली आहेत. पुस्तकांची यादी व्यवस्थितरित्या नोंदवलेली होती. |
| ४. | प्राचार्य, ग्रंथपाल, शारीरिक शिक्षण संचालक, पात्र व नियमित शिक्षक यांची नेमणूक करावी. | प्राचार्य, ग्रंथपाल, शारीरिक शिक्षण संचालक तसेच विविध विज्ञान विषयांसाठी पात्र नियमित शिक्षक यांची तात्पुरत्या स्वरुपात, जाहिरात दिल्यानंतर नियुक्ती करण्यात आलेली आहे. शिक्षकांचे शैक्षणिक पात्रता प्रमाणपत्र व संबंधित दस्तऐवज व्यवस्थितरित्या सादर करण्यात आले. |
| ५. | परीक्षेसाठी स्वतंत्र Strong Room असणे आवश्यक आहे. | परीक्षा संबंधित गुप्त व सुरक्षित कामकाजासाठी स्वतंत्र स्ट्रॉंग रुम उपलब्ध असून ती आवश्यक सुरक्षा निकषांनुसार तयार केली असून, तिथे CCTV, लॉक व्यवस्था तसेच मर्यादित प्रवेशाची यंत्रणा असल्याचे आढळले. |

शिवशंभो महाविद्यालय, कण्हेर यांनी विज्ञान शाखेसाठी आवश्यक असलेल्या सर्व पायाभूत व शैक्षणिक सुविधांची पूर्तता केलेली आहे. म्हणूनच वर नमूद केलेल्या निरीक्षणांच्या आधारे ही संस्था मान्यतेसाठी आवश्यक अटी पूर्ण करते, अशी शिफारस एक सदस्यीय समितीने केली आहे.

सबब, दि. २८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्या परिषदेच्या बैठकीतील ठराव क्र. २७ च्या अनुरोधाने शिवशंभो महाविद्यालय, कण्हेर या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. एस्सी. भाग १ व २ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग ३ च्या नैसर्गिक विस्तार या अभ्यासक्रमासंदर्भात महाविद्यालयाने अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरीता मा. कुलगुरु महोदयांनी नियुक्त केलेल्या प्रा. डॉ. बी. जे. लोखंडे यांच्या समितीने सादर केलेला अहवाल विचारार्थ.

**ठराव** **दि. २८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्या परिषदेच्या बैठकीतील ठराव क्र. २७ च्या अनुरोधाने शिवशंभो महाविद्यालय, कण्हेर या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी.एस्सी. भाग १ व २ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग ३ च्या नैसर्गिक विस्तार या अभ्यासक्रमासंदर्भात महाविद्यालयाने अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरीता मा. कुलगुरु महोदयांनी नियुक्त केलेल्या प्रा. डॉ. बी. जे. लोखंडे यांच्या समितीने सादर केलेला अहवाल स्विकारुन सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.**

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ १६ ] | दि. २८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्यापरिषदेच्या बैठकीतील ठराव क्र. २८ च्या अनुरोधाने शिवशंभो महाविद्यालय, कण्हेर या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी.एस्सी. (ई.सी.एस.) भाग १ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग २ च्या नैसर्गिक विस्तार या अभ्यासक्रमासंदर्भात महाविद्यालयाने अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरीता मा. कुलगुरु महोदयांनी नियुक्त केलेल्या डॉ. ए. आर. शिंदे यांच्या एक सदस्यीय समितीने सादर केलेला अहवाल विचारार्थ. | संलग्नता विभाग |

टिपणी: शिवशंभो महाविद्यालय, कण्हेर, ता. माळशिरस या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. एस्सी. (ई.सी.एस.) भाग १ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग २ च्या नैसर्गिक विस्तारास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब दि.२८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्यापरिषदेच्या बैठकीत विचारार्थ सादर केली असता, त्यावर ठराव क्र. २८ अन्वये खालीलप्रमाणे ठराव पारित झाला होता.

"सदर महाविद्यालयातील शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. एस्सी. (ई.सी.एस.) भाग १ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग २ च्या नैसर्गिक विस्तारास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता स्थानिक चौकशी समितीने सूचित केलेल्या अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.

तसेच सदर महाविद्यालयास दोन महिन्यानंतर अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरिता एक समिती पाठविण्यात यावी व त्या समितीचा खर्च संबंधीत महाविद्यालयाने करावा असेही सर्वानुमते ठरले."

उपरोक्त ठरावाच्या अनुरोधाने विद्यापीठाचे पत्र क्र. पुअहोसोविसो / संलग्नता /२०२५-२६/६५१९, दि.१४/०८/२०२५ अन्वये शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता मान्यता पत्र निर्गमित करण्यात आले आहे. तसेच ठरावाच्या अनुरोधाने मा.कुलगुरु महोदयांनी महाविद्यालयाने सदरील अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याची पडताळणी करणेकामी नियुक्त केलेल्या डॉ. ए. आर. शिंदे यांच्या एक सदस्यीय समितीने महाविद्यालयास प्रत्यक्ष भेट देवून खालीलप्रमाणे अहवाल सादर केलेला आहे.

| अट क्र. | स्थानिक चौकशी समितीच्या अटी | अटी पडताळणी समितीची शेरा |
|---|---|---|
| १. | नियमित प्राचार्य, ग्रंथपाल, शारीरिक शिक्षण संचालक व पात्र आणि नियमित शिक्षकांची नेमणूक करण्यात यावी. | प्राचार्य, ग्रंथपाल, शारीरिक शिक्षण संचालक तसेच B.Sc.(ECS) विषयासाठी पात्र नियमित शिक्षकांची तात्पुरत्या स्वरुपात, जाहिरात दिल्यानंतर नियुक्ती करण्यात आलेली आहे. शिक्षकांचे शैक्षणिक पात्रता प्रमाणपत्र व संबंधित दस्ताऐवज व्यवस्थितरित्या सादर करण्यात आले. |

| | | |
|---|---|---|
| २. | ग्रंथालयास आणखी रु.४०,०००/- NEP नुसार पुस्तकांची आवश्यकता आहे. | B.Sc. (ECS) या विषयासाठी NEP नुसार रु.४०,०००/- किंमतीची नवीन पुस्तके महाविद्यालयाने खरेदी केलेली आहेत. पुस्तकांची यादी व्यवस्थितरित्या नोंदविलेली होती. |
| ३. | इंटरनेट बँडवीड्थ कमी आहे ती कमीत कमी १००mbps असावी. | इंटरनेट बँडवीड्थ १०० MBPS प्रमाणे करण्यात आली होती. |
| ४. | मुलींसाठी व मुलांसाठी स्वतंत्र कक्ष तयार करुन त्यात मुलींना आवश्यक अशा सर्व गोष्टी असाव्यात. | मुलींसाठी व मुलांसाठी स्वतंत्र कक्ष तयार करण्यात आलेली आहेत व त्यामध्ये आवश्यकतेनुसार सर्व वस्तू उपलब्ध करण्यात आलेले आहेत. |
| ५. | परीक्षेसाठी स्वतंत्र स्ट्रॉंग रुम असावी. | परीक्षासंबंधीत गुप्त व सुरक्षित कामकाजासाठी स्वतंत्र स्ट्रॉंग रुम उपलब्ध असून ती आवश्यक सुरक्षा निकषानुसार तयार केली असून, तिथे CCTV, लॉक व्यवस्था तसेच मर्यादित प्रवेशाची यंत्रणा असल्याचे आढळले. |

शिवशंभो महाविद्यालय, कण्हेर यांनी बी.एस्सी. (ई.सी.एस.) साठी आवश्यक असलेल्या सर्व पायाभूत व शैक्षणिक सुविधांची पूर्तता केलेली आहे. म्हणूनच वर नमूद केलेल्या निरीक्षणांच्या आधारे ही संस्था मान्यतेसाठी आवश्यक अटी पूर्ण करते, तरी सदर महाविद्यालयाची शिफारस करण्यात येते, अशी शिफारस डॉ. ए. आर. शिंदे यांच्या एक सदस्यीय समितीने केलेली आहे.

सबब, दि.२८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्यापरिषदेच्या बैठकीतील ठराव क्र. २८ च्या अनुरोधाने शिवशंभो महाविद्यालय, कण्हेर या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. एस्सी. (ई.सी.एस.) भाग १ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग २ च्या नैसर्गिक विस्तार या अभ्यासक्रमासंदर्भात महाविद्यालयाने अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरीता मा. कुलगुरु महोदयांनी नियुक्त केलेल्या डॉ. ए. आर. शिंदे यांच्या एक सदस्यीय समितीने सादर केलेला अहवाल विचारार्थ.

ठराव: **दि. २८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्यापरिषदेच्या बैठकीतील ठराव क्र. २८ च्या अनुरोधाने शिवशंभो महाविद्यालय, कण्हेर या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी.एस्सी. (ई.सी.एस.) भाग १ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग २ च्या नैसर्गिक विस्तार या अभ्यासक्रमासंदर्भात महाविद्यालयाने अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरीता मा. कुलगुरु महोदयांनी नियुक्त केलेल्या डॉ. ए. आर. शिंदे यांच्या एक सदस्यीय समितीने सादर केलेला अहवाल स्विकारुन सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.**

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ १७ ] | दि. २८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्यापरिषदेच्या बैठकीतील ठराव क्र. ३४ च्या अनुरोधाने माणदेश महाविद्यालय, जुनोनी या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी.एस्सी. (ई.सी.एस.) भाग १ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणासंदर्भात महाविद्यालयाने अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरीता मा. कुलगुरु महोदयांनी नियुक्त केलेल्या डॉ. एस. डी. राऊत यांच्या एक सदस्यीय समितीने सादर केलेला अहवाल विचारार्थ. | संलग्नता विभाग |

टिपणी: माणदेश महाविद्यालय, जुनोनी, ता. सांगोला या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. एस्सी. (ई.सी.एस.) भाग १ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब दि.२८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्यापरिषदेच्या बैठकीत विचारार्थ सादर केली असता, त्यावर ठराव क्र. ३४ अन्वये खालीलप्रमाणे ठराव पारित झाला होता.

"सदर महाविद्यालयातील शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. एस्सी. (ई.सी.एस.) भाग १ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता स्थानिक चौकशी समितीने सूचित केलेल्या अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.

तसेच सदर महाविद्यालयास दोन महिन्यानंतर अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरिता एक समिती पाठविण्यात यावी व त्या समितीचा खर्च संबंधीत महाविद्यालयाने करावा असेही सर्वानुमते ठरले."

उपरोक्त ठरावाच्या अनुरोधाने विद्यापीठाचे पत्र क्र. पुअहोसोविसो / संलग्नता /२०२५-२६/६६०५, दि.१६/०८/२०२५ अन्वये शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता मान्यता पत्र निर्गमित करण्यात आले आहे. तसेच ठरावाच्या अनुरोधाने मा.कुलगुरु महोदयांनी महाविद्यालयाने सदरील अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याची पडताळणी करणेकामी नियुक्त केलेल्या डॉ. एस. डी. राऊत यांच्या एक सदस्यीय समितीने महाविद्यालयास प्रत्यक्ष भेट देवून खालीलप्रमाणे अहवाल सादर केलेला आहे.

| अट क्र. | स्थानिक चौकशी समितीच्या अटी | अटी पडताळणी समितीची शेरा |
|---|---|---|
| १. | आवश्यक विषयनिहाय शिक्षकांची अर्हतेनुसार नेमणूक करावी. | महाविद्यालयाने सन २०२५-२६ या शैक्षणिक वर्षासाठी एकूण ८ CHB एम. एस्सी. सेट / नेट, पीएच. डी. अर्हताधारक सहा. प्राध्यापक या पदाची जाहिरात माणदूत एक्सप्रेस या वर्तमानपत्रात दिली असता पात्र उमेदवार मुलाखतीसाठी हजर नसल्यामुळे २ CHB एम. एस्सी. संगणकशास्त्र व एम.सी.ए. शिक्षीत सहा. प्राध्यापक या पदावर नियुक्त केले आहेत. (सोबत नियुक्ती आदेश जोडले आहेत) |

| | | |
|---|---|---|
| २. | अभ्यासक्रमानुसार आवश्यक रु.१०,०००/- ची पुस्तके खरेदी करावीत. | अभ्यासक्रमानुसार आवश्यक रु.१०,०००/- ची पुस्तके खरेदी करण्यात आले असून, सोबत खरेदी पावत्या व नोंद रजिस्टर व ग्रंथालयातील पुस्तकांची पडताळणी करण्यात आली आहे. |
| ३. | ५ नवीन अद्यावत तंत्रज्ञानाचे संगणक खरेदी करावेत. | महाविद्यालयाने सन २०२५-२६ या शैक्षणिक वर्षासाठी ०५ नवीन अद्यावत तंत्रज्ञानाचे Lenovo's Think Centre Neo या सिरीजचे संगणक संच UPS सह खरेदी केले आहेत. सदरच्या ०५ नवीन संगणक संच्याचे तांत्रिक तपशील सोबत जोडले आहेत. |

सबब, दि. २८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्यापरिषदेच्या बैठकीतील ठराव क्र. ३४ च्या अनुरोधाने माणदेश महाविद्यालय, जुनोनी या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी.एस्सी. (ई.सी.एस.) भाग १ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणासंदर्भात महाविद्यालयाने अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरीता मा. कुलगुरु महोदयांनी नियुक्त केलेल्या डॉ. एस. डी. राऊत यांच्या एक सदस्यीय समितीने सादर केलेला अहवाल विचारार्थ.

ठराव: **दि. २८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्यापरिषदेच्या बैठकीतील ठराव क्र. ३४ च्या अनुरोधाने माणदेश महाविद्यालय, जुनोनी या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी.एस्सी. (ई.सी.एस.) भाग १ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणासंदर्भात महाविद्यालयाने अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरीता मा. कुलगुरु महोदयांनी नियुक्त केलेल्या डॉ. एस. डी. राऊत यांच्या एक सदस्यीय समितीने सादर केलेला अहवाल स्विकारुन सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.**

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ १८ ] | **यशोदा शिक्षण प्रसारक मंडळ, बार्शी, जि. सोलापूर या संस्थेचे संचलित सोजर टिचर ट्रेनिंग सेंटर, बार्शी हे महाविद्यालय शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बंद करण्याबाबत स्थानिक चौकशी समितीने केलेली शिफारस स्विकारुन व्यवस्थापन परिषदेस शिफारस करण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: मा. अध्यक्ष, यशोदा शिक्षण प्रसारक मंडळ, बार्शी, जि. सोलापूर यांच्याकडून संस्थेचे संचलित सोजर टिचर ट्रेनिंग सेंटर, बार्शी हे महाविद्यालय बंद करण्याबाबत खालीलप्रमाणे प्रस्ताव प्राप्त झाला होता. | संलग्नता विभाग |

| संस्थेचे नाव | जे महाविद्यालय बंद करावयाचे आहे त्या महाविद्यालयाचे नांव | बंद करावयाचे वर्ष | महाविद्यालयात सुरु असलेले अभ्यासक्रम | अनुदानाचा प्रकार |
|---|---|---|---|---|
| यशोदा शिक्षण प्रसारक मंडळ, बार्शी, जि. सोलापूर | सोजर टिचर ट्रेनिंग सेंटर, बार्शी, जि. सोलापूर | शै.वर्ष २०२५-२६ पासून | बी. एड. (विशेष शिक्षण - मतिमंद) | कायम विनाअनुदानित |

उक्त संस्थेच्या संचलित सोजर टिचर ट्रेनिंग सेंटर, बार्शी या महाविद्यालयास भारतीय पुनर्वास परिषद, दिल्ली यांचे पत्र क्र. १७-२३७/ B.Ed. Spl.Ed.(MR)/१३/RCI/३३७, दि.१७/०७/२०१३ अन्वये मान्यता मिळाली होती. Commissioner for Persons with Disabilities, Maharashtra State, Pune यांचे ना-हरकत प्रमाणपत्र क्र. CPWD/MH/Desk-४-MR/Yashoda-Solapur /B.Ed.M.R./२०१३-१४/३७१५, दि.०३/०८/२०१३ व उच्च व तंत्रशिक्षण विभाग, मुंबई यांचे ना-हरकत प्रमाणपत्र क्र. बीएड-४६१३/प्र.क्र.१५९/१३/मशि-२, दि.०८/०१/२०१३ च्या अनुरोधाने प्रस्तुत विद्यापीठाने नियुक्त केलेल्या स्थानिक चौकशी समितीने सूचित केलेल्या अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून सोजर टिचर ट्रेनिंग सेंटर, बार्शी या महाविद्यालयास शैक्षणिक वर्ष २०१४-१५ पासून कायम विनाअनुदानित तत्वावर मान्यता दिलेली होती.

परंतू महाविद्यालयातील बी. एड. (विशेष शिक्षण-मतिमंद) या अभ्यासक्रमास महाविद्यालय स्थापनेपासून एकही विद्यार्थी प्रवेशित नसल्याने विद्यार्थी संख्या अभावी संस्थेने संचलित सोजर टिचर ट्रेनिंग सेंटर, बार्शी हे महाविद्यालय शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बंद करण्याचा निर्णय घेतला असल्याचे प्राप्त प्रस्तावात नमूद केले आहे.

महाविद्यालय बंद करण्याबाबत प्राप्त प्रस्तावावर संबंधित महाविद्यालयाला भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन सविस्तर अहवाल सादर करण्यासाठी खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.

१. प्राचार्य डॉ. सुरेश रामचंद्र ढेरे (अध्यक्ष)
२. डॉ. श्रीमती आयेशा मोहम्मद सादिक रंगरेज (सदस्य)
३. प्राचार्य डॉ. एम. बी. गादेकर (सदस्य)

सदर समितीने उपरोक्त महाविद्यालयास भेट देवून सविस्तर अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केलेला आहे. सदर अहवालात समितीने यशोदा शिक्षण प्रसारक मंडळ, बार्शी या संस्थेचे संचलित सोजर टिचर ट्रेनिंग सेंटर, बार्शी या महाविद्यालयाने शैक्षणिक वर्ष २०१६-१७ ते २०२४-२५ पर्यंत संलग्निकरणाचे नुतनीकरण केलेले नाही. त्यामुळे शैक्षणिक वर्ष २०१६-१७ ते २०२४-२५ पर्यंत संलग्निकरणाचे नुतनीकरण करुन घेवून सदर महाविद्यालय शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बंद करण्याची सर्वानुमते शिफारस केलेली आहे.

त्याअनुरोधाने विद्यापीठाचे पत्र क्र.पुअहोसोविसो/संलग्नता/२०२४-२५/५६, दि.०१/०१/२०२५ अन्वये समितीच्या शिफारशीनुसार प्रथमत: शैक्षणिक वर्ष २०१६-१७ ते २०२४-२५ पर्यंत संलग्निकरणाचे नुतनीकरणाची कार्यवाही करुन घेणेबाबत कळविण्यात आले होते. परंतु महाविद्यालयाने संलग्निकरणाची पुढील कोणतीही कार्यवाही विहित वेळेत केली नसल्याने पुन:श्च दोन वेळा स्मरणपत्र देण्यात आले आहे. तथापि, सदरील महाविद्यालयामध्ये कोणीही कर्मचारी कार्यरत नसल्यामुळे विद्यापीठ पत्रास कोणताही प्रतिसाद प्राप्त होत नाही. त्यामुळे अद्याप पर्यंत महाविद्यालयाकडून शैक्षणिक वर्ष २०१६-१७ ते २०२४-२५ पर्यंत संलग्निकरणाचे नुतनीकरणाची कोणतीही कार्यवाही झाली नसल्याचे सकृतदर्शनी दिसून येते.

प्रचलित कार्यपध्दतीनूसार ज्या शैक्षणिक वर्षापासून महाविद्यालय बंद करावयाचे आहे. त्यापूर्वीच्या शैक्षणिक वर्षापर्यंतचे संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास (विद्यार्थी प्रवेश असोत अथवा नसोत) मान्यता असणे आवश्यक आहे. परंतू महाविद्यालयातील बी. एड. (विशेष शिक्षण-मतिमंद) या अभ्यासक्रमास महाविद्यालय स्थापनेपासून एकही विद्यार्थी प्रवेशित नाही, ही वस्तुस्थिती आहे.

सबब, यशोदा शिक्षण प्रसारक मंडळ, बार्शी, जि. सोलापूर या संस्थेचे संचलित सोजर टिचर ट्रेनिंग सेंटर, बार्शी हे महाविद्यालय शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बंद करण्याबाबत स्थानिक चौकशी समितीने केलेली शिफारस स्विकारुन व्यवस्थापन परिषदेस शिफारस करण्याची बाब विचारार्थ.

ठराव: **यशोदा शिक्षण प्रसारक मंडळ, बार्शी, जि. सोलापूर या संस्थेचे संचलित सोजर टिचर ट्रेनिंग सेंटर, बार्शी हे महाविद्यालय शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बंद करण्याबाबत स्थानिक चौकशी समितीने केलेली शिफारस स्विकारुन सर्वानुमते व्यवस्थापन परिषदेस शिफारस करण्यात आली.**

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ १९ ] | सहकार महर्षि शंकरराव मोहिते-पाटील महाविद्यालय, नातेपुते, ता. माळशिरस या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून एम. कॉम. (ॲडव्हान्स अकौंटन्सी) भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ व २०२६-२७ या दोन वर्षाकरिता खालील अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: सहकार महर्षि शंकरराव मोहिते-पाटील महाविद्यालय, नातेपुते, ता. माळशिरस या महाविद्यालयाकडून शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून एम. कॉम. (ॲडव्हान्स अकौंटन्सी) भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणाच्या प्राप्त प्रस्तावासंदर्भात महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन सविस्तर अहवाल सादर करण्याकामी खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. व्ही. जी. कोरे (अध्यक्ष)<br>२) प्र. प्राचार्य डॉ. एस. व्ही. शिंदे (सदस्य)<br>३) डॉ. एस. के. कुलकर्णी (सदस्य)<br>उक्त समिती सदस्यांनी सदर महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल या कार्यालयाकडे सादर केलेला असून, समितीने शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून एम.कॉम. (ॲडव्हान्स अकौंटन्सी) भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ व २०२६-२७ या दोन वर्षाकरीता अटी पूर्ततेच्या अधिन राहून शिफारस केलेली आहे.<br>स्थानिक चौकशी समितीने सुचविलेल्या अटीपूर्तता करण्याबाबत महाविद्यालयास पत्रान्वये कळविले होते, त्याअनुषंगाने महाविद्यालयाकडून प्राप्त झालेला अटीपूर्तता अहवाल सोबत जोडला आहे. महाविद्यालयाडून प्राप्त झालेल्या अटीपूर्तता अहवालानुसार महाविद्यालयाने समितीने सूचित केलेल्या अटींची पूर्णपणे पूर्तता केली नसल्याने अहवालातील त्रुटी महाविद्यालयास पत्रान्वये कळविण्यात आल्या होत्या. परंतु महाविद्यालयाने विहित वेळेत अटींची पूर्तता करुन अहवाल सादर केला नसल्याने पुनःश्च स्मरणपत्र देवून अटीपूर्तता अहवाल सादर करणेविषयी कळविण्यात आले आहे. तथापि, अद्याप पर्यंत महाविद्यालयाकडून अटीपूर्तता अहवाल प्राप्त झालेला नाही.<br>सबब, सहकार महर्षि शंकरराव मोहिते-पाटील महाविद्यालय, नातेपुते, ता. माळशिरस या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून एम. कॉम. (ॲडव्हान्स अकौंटन्सी) भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ व २०२६-२७ या दोन वर्षाकरिता खालील अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>१. पूर्णवेळ प्राचार्यांची नियुक्ती करावी. | संलग्नता विभाग |
| ठराव: | सहकार महर्षि शंकरराव मोहिते-पाटील महाविद्यालय, नातेपुते, ता. माळशिरस या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६पासून एम. कॉम. (ॲडव्हान्स अकौंटन्सी) भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ व २०२६-२७ या दोन वर्षाकरिता खालील अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.<br>१. पूर्णवेळ प्राचार्यांची नियुक्ती करावी. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ २० ] | **डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् अ‍ॅन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. भौतिकशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् अ‍ॅन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. भौतिकशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. भौतिकशास्त्र संशोधन केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. बी. जे. लोखंडे : अध्यक्ष<br>२) डॉ. आर. आर. कोठावळे : सदस्य<br>३) डॉ. एस. एस. काशीद : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् अ‍ॅन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. भौतिकशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, उपरोक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. भौतिकशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या ५ वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् अ‍ॅन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. भौतिकशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
| --- | --- | --- |
| [ २१ ] | डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. भूगोल या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ पर्यंत संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. भूगोल या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. भूगोल संशोधन सुविधा केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) प्रा. मुलाणी एस. एम. : अध्यक्ष<br>२) प्रा. धायगोडे एन. आय. : विषयतज्ज्ञ<br>३) डॉ. एस. एस. काशीद : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. भूगोल या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. भूगोल या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ पर्यंत संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. भूगोल या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
| --- | --- | --- |
| [ २२ ] | डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् अॅन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. मायक्रोबायोलॉजी या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ पर्यंत संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् अॅन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. मायक्रोबायोलॉजी या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. मायक्रोबायोलॉजी संशोधन सुविधा केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. प्रशांत पवार : अध्यक्ष<br>२) डॉ. जितेंद्र बातारे : विषयतज्ज्ञ<br>३) श्री. कल्याणशेट्टी एम. जी. : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् अॅन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. मायक्रोबायोलॉजी या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् अॅन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. मायक्रोबायोलॉजी या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ पर्यंत संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् अॅन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. मायक्रोबायोलॉजी या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०२८-२९ या ३ वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ २३ ] | डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ पर्यंत संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. प्राणीशास्त्र संशोधन सुविधा केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) प्रा. हिप्परगी आर. व्ही. : अध्यक्ष<br>२) प्रा. सौ. बनसोडे एस. जी. : विषयतज्ज्ञ<br>३) श्री. काशिद एस. एस. : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ पर्यंत संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| **ठराव:** | **डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ २४ ] | **वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ पर्यंत संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास विनाअट मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. प्राणीशास्त्र संशोधन सुविधा केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) प्रा. गायकवाड एस. एच. : अध्यक्ष<br>२) प्रा. व्ही. व्ही. शागालोलू : विषयतज्ज्ञ<br>३) डॉ. एस. बी. तानवडे : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ पर्यंत संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास विनाअट मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ २५ ] | **सी. बी. खेडगीज बसवेश्वर सायन्स, राजा विजयसिंह कॉमर्स ॲन्ड राजा जयसिंह आर्टस् कॉलेज, अक्कलकोट या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. रसायनशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ ते २०२९-३० पर्यंत प्रथम संलग्निकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: सी. बी. खेडगीज बसवेश्वर सायन्स, राजा विजयसिंह कॉमर्स ॲन्ड राजा जयसिंह आर्टस् कॉलेज, अक्कलकोट या महाविद्यालयाच्या सन २०२५-२६ पासून पीएच. डी. रसायनशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या प्रथम संलग्निकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. रसायनशास्त्र संशोधन सुविधा केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२५-२६ पासून प्रथम संलग्निकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. जाधव श्रावण येगू : अध्यक्ष<br>२) डॉ. ए. एस. लावंड : विषयतज्ज्ञ<br>३) डॉ. पिसे चेतन : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने सी. बी. खेडगीज बसवेश्वर सायन्स, राजा विजयसिंह कॉमर्स ॲन्ड राजा जयसिंह आर्टस् कॉलेज, अक्कलकोट या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. रसायनशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ ते २०२९-३० या पाच वर्षाकरीता विनाअट प्रथम संलग्निकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, सी. बी. खेडगीज बसवेश्वर सायन्स, राजा विजयसिंह कॉमर्स ॲन्ड राजा जयसिंह आर्टस् कॉलेज, अक्कलकोट या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. रसायनशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ ते २०२९-३० पर्यंत प्रथम संलग्निकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **सी. बी. खेडगीज बसवेश्वर सायन्स, राजा विजयसिंह कॉमर्स ॲन्ड राजा जयसिंह आर्टस् कॉलेज, अक्कलकोट या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. रसायनशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या प्रथम संलग्निकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ ते २०२९-३० या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ २६ ] | कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ पर्यंत संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. प्राणीशास्त्र संशोधन सुविधा केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) प्रा. सौ. बनसोडे एस. जी. : अध्यक्ष<br>२) प्रा. हिप्परगी आर. व्ही. : विषयतज्ज्ञ<br>३) डॉ. कांबळे ए. ए. : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, पंढरपूर या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ पर्यंत संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ २७ ] | **स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. इलेक्ट्रीकल इंजिनिअरींग या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. इलेक्ट्रीकल इंजिनिअरींग या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. इलेक्ट्रीकल इंजिनिअरींग संशोधन केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) प्राचार्य डॉ. के. जे. करांडे : अध्यक्ष<br>२) डॉ. व्ही. एस. बिराजदार : सदस्य<br>३) डॉ. पी. व्ही. धनशेट्टी : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. इलेक्ट्रीकल इंजिनिअरींग या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. इलेक्ट्रीकल इंजिनिअरींग या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. इलेक्ट्रीकल इंजिनिअरींग या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ २८ ] | **स्वेरीज कॉलेज ऑफ फार्मसी, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. औषधनिर्माणशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: स्वेरीज कॉलेज ऑफ फार्मसी, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. औषधनिर्माणशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. औषधनिर्माणशास्त्र संशोधन केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) प्राचार्य डॉ. के. जे. करांडे : अध्यक्ष<br>२) डॉ. वाय. एस. थोरात : सदस्य<br>३) डॉ. पी. व्ही. धनशेट्टी : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने स्वेरीज कॉलेज ऑफ फार्मसी, पंढरपूर या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. औषधनिर्माणशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, स्वेरीज कॉलेज ऑफ फार्मसी, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. औषधनिर्माणशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **स्वेरीज कॉलेज ऑफ फार्मसी, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. औषधनिर्माणशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
| --- | --- | --- |
| [ २९ ] | स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. स्थापत्य अभियांत्रिकी (Civil Engg) या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. स्थापत्य अभियांत्रिकी (Civil Engg) या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. स्थापत्य अभियांत्रिकी (Civil Engg) संशोधन केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) प्राचार्य डॉ. के. जे. करांडे : अध्यक्ष<br>२) डॉ. आर. एस. साठे : सदस्य<br>३) डॉ. पी. व्ही. धनशेट्टी : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. स्थापत्य अभियांत्रिकी (Civil Engg) या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. स्थापत्य अभियांत्रिकी (Civil Engg) या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. स्थापत्य अभियांत्रिकी (Civil Engg) या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ३० ] | **श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. रसायनशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. रसायनशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. रसायनशास्त्र संशोधन केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. व्ही. बी. पाटील : अध्यक्ष<br>२) प्रा. एस. पी. देशमुख : सदस्य<br>३) डॉ. एस. के. कुलकर्णी : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. रसायनशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. रसायनशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. रसायनशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ३१ ] | **श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. भौतिकशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. भौतिकशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. भौतिकशास्त्र संशोधन केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. व्ही. बी. पाटील : अध्यक्ष<br>२) प्रा. एस. जी. पवार : सदस्य<br>३) डॉ. एस. के. कुलकर्णी : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. भौतिकशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. भौतिकशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| **ठराव:** | **श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. भौतिकशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ३२ ] | **श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. सुक्ष्मजीवशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. सुक्ष्मजीवशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. सुक्ष्मजीवशास्त्र संशोधन केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. व्ही. बी. पाटील : अध्यक्ष<br>२) प्रा. ए. पी. नंदीमठ : सदस्य<br>३) डॉ. एस. के. कुलकर्णी : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. सुक्ष्मजीवशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. सुक्ष्मजीवशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. सुक्ष्मजीवशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
| --- | --- | --- |
| [ ३३ ] | **श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. प्राणीशास्त्र संशोधन केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. व्ही. बी. पाटील : अध्यक्ष<br>२) प्रा. एल. सी. मुशन : सदस्य<br>३) डॉ. एस. के. कुलकर्णी : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. प्राणीशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ३४ ] | **श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. भूगोल या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. भूगोल या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. भूगोल संशोधन केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. व्ही. बी. पाटील : अध्यक्ष<br>२) प्रा. एन. आय. धायगोडे : सदस्य<br>३) डॉ. एस. के. कुलकर्णी : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच.डी. भूगोल या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. भूगोल या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **श्री. शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. भूगोल या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ३५ ] | **कस्तुरबाई कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: कस्तुरबाई कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, सोलापूर या महाविद्यालयाने शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून त्यांच्या महाविद्यालयात पीएच. डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी आवश्यक ती कागदपत्रे जोडून प्रस्ताव सादर केला आहे.<br>त्याअनुषंगाने संबंधित महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन अहवाल सादर करणेकामी विद्यापीठ अनुदान आयोग विनिमय (महाविद्यालयांचे विद्यापीठांशी संलग्निकरण) २००९ (४.६) नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. के. जे. शिंदे — अध्यक्ष<br>२) डॉ. एम. एस. जडल — सदस्य<br>३) डॉ. एस. बी. थळंगे — सदस्य<br>उपरोक्त समितीने संबंधित महाविद्यालयास भेट देवून दि.२५/११/२०२५ अन्वये विद्यापीठाकडे अहवाल सादर केला आहे. समितीने सदर महाविद्यालयास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट पीएच. डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणाकरीता शिफारस केली आहे.<br>सबब, कस्तुरबाई कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच. डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **कस्तुरबाई कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ३६ ] | कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, बार्शी या महाविद्यालयास पीएच.डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, बार्शी या महाविद्यालयाने शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून त्यांच्या महाविद्यालयात पीएच. डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी आवश्यक ती कागदपत्रे जोडून प्रस्ताव सादर केला आहे.<br>त्याअनुषंगाने संबंधित महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन अहवाल सादर करणेकामी विद्यापीठ अनुदान आयोग विनिमय (महाविद्यालयांचे विद्यापीठांशी संलग्निकरण) २००९ (४.६) नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. एस. बी. क्षीरसागर अध्यक्ष<br>२) डॉ. डी. एस. वाघमारे सदस्य<br>३) डॉ. आर. ए. आर. बडेघर सदस्य<br>उपरोक्त समितीने संबंधित महाविद्यालयास भेट देवून दि.२७/११/२०२५ अन्वये विद्यापीठाकडे अहवाल सादर केला आहे. समितीने सदर महाविद्यालयास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट पीएच. डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणाकरीता शिफारस केली आहे.<br>सबब, कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच. डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, बार्शी या महाविद्यालयास पीएच.डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ३७ ] | कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, बार्शी या महाविद्यालयास पीएच.डी. शारीरिक शिक्षण या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी विनाअट मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, बार्शी या महाविद्यालयाने शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून त्यांच्या महाविद्यालयात पीएच. डी. शारीरिक शिक्षण या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी आवश्यक ती कागदपत्रे जोडून प्रस्ताव सादर केला आहे.<br>त्याअनुषंगाने संबंधित महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन अहवाल सादर करणेकामी विद्यापीठ अनुदान आयोग विनिमय (महाविद्यालयांचे विद्यापीठांशी संलग्निकरण) २००९ (४.६) नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. एस. आर. भोसले अध्यक्ष<br>२) डॉ. एस. एस. गवळी सदस्य<br>३) डॉ. आर. ए. आर. वडेघर सदस्य<br>उपरोक्त समितीने संबंधित महाविद्यालयास भेट देवून दि.२८/११/२०२५ अन्वये विद्यापीठाकडे अहवाल सादर केला आहे. समितीने सदर महाविद्यालयास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट पीएच. डी. शारीरिक शिक्षण या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणाकरीता शिफारस केली आहे.<br>सबब, कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच. डी. शारीरिक शिक्षण या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, बार्शी या महाविद्यालयास पीएच.डी. शारीरिक शिक्षण या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ३८ ] | **डी. पी. बी. दयानंद कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, सोलापूर या महाविद्यालयास पीएच.डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: डी. पी. बी. दयानंद कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, सोलापूर या महाविद्यालयाने शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून त्यांच्या महाविद्यालयात पीएच. डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी आवश्यक ती कागदपत्रे जोडून प्रस्ताव सादर केला आहे.<br>त्याअनुषंगाने संबंधित महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन अहवाल सादर करणेकामी विद्यापीठ अनुदान आयोग विनिमय (महाविद्यालयांचे विद्यापीठांशी संलग्निकरण) २००९ (४.६) नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. ए. के. बोंदार्डे — अध्यक्ष<br>२) डॉ. ए. एम. एस. रंगरेज — सदस्य<br>३) डॉ. एस. एस. काशिद — सदस्य<br>उपरोक्त समितीने संबंधित महाविद्यालयास भेट देवून दि.२९/११/२०२५ अन्वये विद्यापीठाकडे अहवाल सादर केला आहे. सदर संशोधन केंद्रामध्ये एम. एड. (पदव्युत्तर पदवी) शिक्षणक्रम २०१४-१५ या शैक्षणिक वर्षापर्यंत चालविला जात होता. त्यानंतर सदरचा शिक्षणक्रम बंद करण्यात आला. संशोधन केंद्रातील सर्व पीएच. डी. संशोधक मार्गदर्शक यांना कस्तुरबाई कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, सोलापूर या संशोधन केद्रामार्फत पीएच. डी. संशोधक विद्यार्थी प्राप्त झालेले आहेत. सद्य:स्थितीत सदर संशोधन केंद्रामध्ये पेट-६ चे नऊ विद्यार्थी केंद्रात प्रवेशित आहेत. या संशोधन काही विद्यार्थीनी २०२३ पर्यंत केंद्रावर फी भरलेली आहे.<br>तसेच समितीने अहवालामध्ये पुढीलप्रमाणे अटी दिलेल्या आहेत.<br>१) संशोधक विद्यार्थ्यांनी संशोधन कार्य करण्यासाठी मुदत वाढीचा अर्ज संशोधन केंद्रामार्फत विद्यापीठात पाठवावा.<br>२) संशोधन विद्यार्थ्यांनी संशोधन केंद्रावर व विद्यापीठात शिक्षण शुल्क व दंड भरुन प्रवेश नियमित करावा.<br>३) संशोधक विद्यार्थ्यांनी आजपर्यंतचे सहामाही प्रगती अहवाल विद्यापीठात जमा करावेत. | संशोधन विभाग |

| | | |
|---|---|---|
| | सबब, वरील सर्व अटींच्या अधिन राहून संशोधन केंद्रास २०२६-२७, २०२७-२८, २०२८-२९, २०२९-३०, २०३०-३१ (पाच वर्षे) किंवा नोंदणीकृत विद्यार्थ्यांचे शेवटचे सबमिशन होईपर्यंत जे आधी असेल तेंव्हापर्यंतचे संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणाची शिफारस केली आहे.<br>सबब, डी. पी. बी. दयानंद कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, सोलापूर या महाविद्यालयास पीएच.डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्रास वरील सर्व अटींच्या अधिन राहून शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता किंवा नोंदणीकृत विद्यार्थ्यांचे शेवटचे सबमिशन होईपर्यंत जे आधी असेल तेंव्हापर्यंतचे संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | |
| ठराव: | **डी. पी. बी. दयानंद कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, सोलापूर या महाविद्यालयास पीएच.डी. शिक्षणशास्त्र या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता नवीन प्रवेश न देण्याच्या अटीच्या अधिन राहून सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ३९ ] | स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर या महाविद्यालयास पीएच. डी. मॅनेजमेंट या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या प्रथम संलग्निकरणाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग या महाविद्यालयाने शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून त्यांच्या महाविद्यालयात पीएच. डी. मॅनेजमेंट या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या प्रथम संलग्निकरणासाठी आवश्यक ती कागदपत्रे जोडून प्रस्ताव सादर केला आहे.<br>त्यानुषंगाने संबंधित महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन अहवाल सादर करणेकामी विद्यापीठ अनुदान आयोग विनिमय (महाविद्यालयांचे विद्यापीठांशी संलग्निकरण) २००९ (४.६) नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. के. जे. करांडे — अध्यक्ष<br>२) डॉ. एस. बी. कुलकर्णी — सदस्य<br>३) डॉ. पी. व्ही. धनशेट्टी — सदस्य<br>उपरोक्त समितीने संबंधित महाविद्यालयास भेट देवून दि.२९/१२/२०२५ अन्वये विद्यापीठाकडे अहवाल सादर केला आहे. समितीने सदर महाविद्यालयास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ ते २०२९-३० या पाच वर्षाकरीता पीएच. डी. मॅनेजमेंट या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या प्रथम संलग्निकरीता शिफारस केली आहे.<br>सबब, स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर या महाविद्यालयास पीएच. डी. मॅनेजमेंट या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या प्रथम संलग्निकरणाकरीता शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ ते २०२९-३० या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **स्वेरीज कॉलेज ऑफ इंजिनिअरींग, पंढरपूर या महाविद्यालयास पीएच. डी. मॅनेजमेंट या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या प्रथम संलग्निकरणाकरीता शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ ते २०२९-३० या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ४० ] | **विद्यापीठ परिक्षेत्राबाहेरील शास्त्रज्ञ यांना पीएच. डी. विद्यार्थी वितरीत करण्याबाबत गठीत समितीने तयार केलेली नियमावली विचारार्थ.**<br>टिपणी:<br>संदर्भ: मा. अधिष्ठाता मंडळ यांचा ठराव क्र.७(१) दि.०४/११/२०२५<br>Botanical Survey of India, Pune येथील संस्थेमध्ये कार्यरत कर्मचारी/विद्यार्थी Shri Kaushik Sarkar, Mr. Rajeshwar Dayal, Mr. Sakashi Pandey व Rajat Monadal यांनी प्रस्तुत विद्यापीठाची पेट-९ (२०२४) परीक्षा उत्तीर्ण केली असून, त्यांच्या संस्थेमधील मार्गदर्शक Dr. A. Benniamin अंतर्गत पीएच. डी. प्रवेश मिळण्याबाबत अर्जान्वये विनंती केली आहे.<br>याबाबत कार्यालयीन निवेदन असे की, Dr. A. Benniamin, Scientist F and Head of Office, Botanical Survey of India, Western Regional Center, Pune यांना प्रस्तुत विद्यापीठाने संशोधक मार्गदर्शक म्हणून मान्यता दिलेली आहे. तसेच सदर संस्थेबाबत School of Life Sciences द्वारे प्रस्तुत विद्यापीठाशी MoU झालेला आहे.<br>Dr. A. Benniamin हे प्रस्तुत विद्यापीठाच्या कार्यक्षेत्राबाहेरील शास्त्रज्ञ असल्याने अशा प्रकरणांमध्ये सदर मार्गदर्शकांना विद्यार्थी वितरीत करण्याकरीता कार्यप्रणालीची स्पष्टता विद्यापीठाच्या पीएच. डी. नियमावलीमध्ये दिसून येत नाही. त्यामूळे सदर विद्यार्थ्यांच्या मागणीवरुन Dr. A. Benniamin यांना सध्याच्या नियमावलीनुसार सदर विद्यार्थी वितरीत करता येणे शक्य नाही. पेट-९ (२०२४) करीता झालेली कार्यप्रणाली ही सर्वसामान्य होती. त्यामध्ये अशा प्रकरणामध्ये उल्लेख अथवा समावेश केलेला नाही.<br>याबाबत, मा. अधिष्ठाता मंडळाच्या विचारार्थ सदर विषय ठेवला असता, दि.२७/०२/२०२५ रोजीच्या ठराव क्र.५ अन्वये विद्यापीठ कार्यक्षेत्राबाहेरील शास्त्रज्ञ यांना पीएच. डी. विद्यार्थी वितरीत करण्याबाबत पीएच. डी. प्रवेश नियमावली करण्याकरीता पुढीलप्रमाणे समिती गठीत करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. पी. एम. पवार — अध्यक्ष<br>२) डॉ. एस. व्ही. शिंदे — सदस्य<br>३) डॉ. आर. एस. मेंते — सदस्य<br>सदर समितीची दि.१५/०९/२०२५ रोजी बैठकी झाली असून त्यांना सोबत जोडल्याप्रमाणे विद्यापीठ कार्यक्षेत्राबाहेरील शास्त्रज्ञ यांना पीएच. डी. विद्यार्थी वितरीत करण्याबाबत पीएच. डी. प्रवेश नियमावली तयार केली आहे.<br>सदर नियमावली दि.०४/११/२०२५ रोजीच्या मा. अधिष्ठाता मंडळाच्या विचारार्थ ठेवला असता, ठराव क्र.७(१) अन्वये खालीलप्रमाणे अधिष्ठाता मंडळाने शिफारस केली आहे.<br>ठराव क्र.७(१): विद्यापीठ परिक्षेत्राबाहेरील शास्त्रज्ञ यांना पीएच. डी. विद्यार्थी वितरीत करण्याबाबत नियमावली करण्याकरीता मा. अधिष्ठाता मंडळ यांनी गठीत केलेल्या समितीने तयार केलेली प्रवेश नियमावलीला सर्वानुमते मान्यता देवून विद्यापरिषदेकडे शिफारस करण्यात आली आहे.<br>सबब, विद्यापीठ परिक्षेत्राबाहेरील शास्त्रज्ञ यांना पीएच. डी. विद्यार्थी वितरीत करण्याबाबत गठीत समितीने तयार केलेली नियमावली विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **विद्यापीठ परिक्षेत्राबाहेरील शास्त्रज्ञ यांना पीएच. डी. विद्यार्थी वितरीत करण्याबाबत गठीत समितीने तयार केलेल्या नियमावलीस दुरुस्तीसह सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ४१ ] | **डी. ए. व्ही. वेलणकर कॉलेज ऑफ कॉमर्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. वाणिज्य संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: डी. ए. व्ही. वेलणकर कॉलेज ऑफ कॉमर्स, सोलापूर या महाविद्यालयाने शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून पीएच. डी. या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव सादर केला आहे.<br>प्राप्त प्रस्तावाच्या अनुषंगाने संबंधित महाविद्यालयास सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. वाणिज्य या विषयाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरण देण्यासंदर्भात संबंधीत महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन अहवाल सादर करणेकामी महाराष्ट्र सार्वजनिक विद्यापीठ अधिनियम, २०१६ नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. व्ही. के. पुरोहित — अध्यक्ष<br>२) डॉ. एस. बी. भांजे — सदस्य<br>३) डॉ. ए. ए. भोपळे — सदस्य<br>उपरोक्त समितीने संबंधीत महाविद्यालयास भेट देवून दि.२४/१२/२०२५ अन्वये अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला आहे. अहवालानुसार पीएच. डी. वाणिज्य संशोधन केंद्रास/महाविद्यालयास समितीने शिफारस केलेल्या अटी पत्रान्वये कळविले आहे. त्याअनुषंगाने महाविद्यालयाकडून दि.१२/०१/२०२६ अन्वये प्राप्त अटी पूर्तता अहवाल सोबत जोडला आहे.<br>सदर समितीने संबंधीत महाविद्यालयास अटी पूर्ततेच्या अधिन राहून शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता पीएच. डी. वाणिज्य या विषयाच्या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणाकरीता शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, डी. ए. व्ही. वेलणकर कॉलेज ऑफ कॉमर्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. वाणिज्य संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **डी. ए. व्ही. वेलणकर कॉलेज ऑफ कॉमर्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. वाणिज्य संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ४२ ] | **डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस ॲण्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. ए.आय.एच.सी. या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास सध्या संशोधन करीत असलेल्या विद्यार्थ्यांचे संशोधन कार्य पूर्ण होईपर्यंत अथवा शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या ५ वर्षाकरीता यापैकी जे अगोदर होईल तिथपर्यत मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस् ॲन्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाने शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव सादर केला आहे.<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्तावास सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरण देण्यासंदर्भात अहवाल सादर करण्यासाठी विद्यापीठ अनुदान आयोग (महाविद्यालयांचे विद्यापीठांशी संलग्निकरण) विनियम २००९ (४.६) नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. आय. जे. तांबोळी : अध्यक्ष<br>२) डॉ. पी. एन. कोळेकर : सदस्य<br>३) डॉ. प्रदिप प्रकाश तपकिरे : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने सदर महाविद्यालयास भेट देवून दि.०५/०१/२०२६ रोजी अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला आहे. पीएच.डी. ए.आय.एच.सी. या संशोधन केंद्रास समितीने नियमित शिक्षकांची नियुक्ती लवकरात लवकर करावी असे अटींमध्ये नमूद केलेले असून सदर महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. ए.आय.एच.सी. संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास सध्या संशोधन करीत असलेल्या विद्यार्थ्यांचे संशोधन कार्य पूर्ण होईपर्यंत अथवा शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता यापैकी जे अगोदर होईल तिथपर्यंत संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणाची शिफारस उक्त समितीने केली आहे.<br>सबब, डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस ॲण्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. ए.आय.एच.सी. या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास सध्या संशोधन करीत असलेल्या विद्यार्थ्यांचे संशोधन कार्य पूर्ण होईपर्यंत अथवा शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या ५ वर्षाकरीता यापैकी जे अगोदर होईल तिथपर्यत मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस ॲण्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. ए.आय.एच.सी. या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास सध्या संशोधन करीत असलेल्या विद्यार्थ्यांचे संशोधन कार्य पूर्ण होईपर्यंत किंवा शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता, यापैकी जे अगोदर घडेल त्यास सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ४३ ] | **श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच. डी. मराठी या संशोधन केंद्रास शै. वर्ष २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. मराठी या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. मराठी संशोधन केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम. फिल./पीएच. डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. आय. जे. तांबोळी : अध्यक्ष<br>२) डॉ. एस. जी. पुजारी : सदस्य<br>३) डॉ. एस. एस. काशिद : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. मराठी या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, उपरोक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. मराठी या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच. डी. मराठी या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ४४ ] | **श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच. डी. हिंदी या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. हिंदी या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. हिंदी संशोधन केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम. फिल./पीएच. डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. आय. जे. तांबोळी : अध्यक्ष<br>२) डॉ. जी. आर. काशिद : सदस्य<br>३) डॉ. एस. एस. काशिद : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. हिंदी या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, उपरोक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. हिंदी या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच. डी. हिंदी या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ४५ ] | श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच. डी. इंग्रजी या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच. डी. इंग्रजी या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नुतनीकरण: पीएच. डी. इंग्रजी संशोधन केंद्र<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम. फिल./पीएच. डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. आय. जे. तांबोळी : अध्यक्ष<br>२) डॉ. नवनाथ निवृत्ती लोंढे : सदस्य<br>३) डॉ. एस. एस. काशिद : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केला असून सदर समितीने उक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. इंग्रजी या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता विनाअट संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, उपरोक्त महाविद्यालयास पीएच. डी. इंग्रजी या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच. डी. इंग्रजी या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ४६ ] | **राजर्षी शाहू लॉ कॉलेज, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच. डी. विधी या संशोधन केंद्राच्या प्रथम संलग्निकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ ते २०२९-३० या पाच वर्षासाठी मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: राजर्षी शाहू लॉ कॉलेज, बार्शी या महाविद्यालयाने शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून प्रथम संलग्निकरणासाठी प्रस्ताव सादर केला आहे.<br>त्याअनुषंगाने प्रस्तुत प्रस्तावास सन २०२५-२६ पासून प्रथम संलग्निकरण देण्यासंदर्भात अहवाल सादर करण्यासाठी विद्यापीठ अनुदान आयोग (महाविद्यालांचे विद्यापीठांशी संलग्निकरण) विनियम २००९ (४.६) नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. एस. एल. तांबे : अध्यक्ष<br>२) डॉ. एस. जी. दंतकाळे : सदस्य<br>३) डॉ. एस. एस. काशिद : सदस्य<br>उपरोक्त समितीने सदर महाविद्यालयास भेट देवून दि.०२/०१/२०२६ रोजी अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केल्यानुसार सदर अटीची पूर्तता करण्यासाठी सदर महाविद्यालयास विद्यापीठ कार्यालयाकडून दि.१६/०१/२०२६ च्या पत्रान्वये कळविण्यात आले होते. त्यानुसार सदर महाविद्यालयाकडून दि.२७/०१/२०२६ च्या पत्रान्वये अटीची पूर्तता केल्याबाबत कळविलेले आहे. तसेच शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ ते २०२९-३० पर्यंत पाच वर्षासाठी पीएच. डी. विधी या विषयासाठी अटी पूर्ततेच्या अधिन राहून पीएच. डी. संशोधन केंद्रास संलग्नतासाठी शिफारस उक्त समितीने केली आहे.<br>सबब, राजर्षी शाहू लॉ कॉलेज, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच. डी. विधी या संशोधन केंद्राच्या प्रथम संलग्निकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ ते २०२९-३० या पाच वर्षासाठी मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **राजर्षी शाहू लॉ कॉलेज, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच. डी. विधी या संशोधन केंद्राच्या प्रथम संलग्निकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ ते २०२९-३० या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ४७ ] | डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस ॲण्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. इंग्रजी या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस ॲण्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच.डी. इंग्रजी या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नूतनीकरण: पीएच.डी. इंग्रजी संशोधन केंद्र.<br>त्याअनुषंगाने, प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१. डॉ. एम. पी. जोशी - अध्यक्ष<br>२. डॉ. ए. डी. क्षिरसागर - सदस्य<br>३. डॉ. एम. डी. लटके - सदस्य<br>उपरोक्त समितीने सदर महाविद्यालयास भेट देऊन दि.०५/०१/२०२६ रोजी (विद्यापीठ कार्यालयास प्राप्त दि.०६/०१/२०२६) अहवाल विद्यापीटाकडे सादर केल्यानुसार सदर अटीची पूर्तता करण्यासाठी सदर महाविद्यालयास विद्यापीठ कार्यालयाकडून दि.१६/०१/२०२६ च्या पत्रान्वये कळविण्यात आले होते. त्यानुसार सदर महाविद्यालयाकडून दि.२७/०१/२०२६ च्या पत्रान्वये (विद्यापीठ कार्यालयास प्राप्त दि.२९/०१/२०२६) अटीची पूर्तता केल्याबाबत कळविलेले आहे. तसेच शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ पर्यंत पाच वर्षासाठी पीएच.डी. इंग्रजी या विषयासाठी अटी पूर्ततेच्या अधिन राहून पीएच.डी. संशोधन केंद्रास संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस उक्त समितीने केली आहे.<br>सबब, डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस ॲण्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. इंग्रजी या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस ॲण्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. इंग्रजी या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
| --- | --- | --- |
| [ ४८ ] | डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस ॲण्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. अर्थशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस ॲण्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासनू पीएच.डी. अर्थशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नूतनीकरण: पीएच.डी. अर्थशास्त्र संशोधन केंद्र.<br>त्याअनुषंगाने, प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१. डॉ. जी. एस. कांबळे - अध्यक्ष<br>२. डॉ. आर. के. पाटील - सदस्य<br>३. डॉ. पी. पी. तपकिरे - सदस्य<br>उपरोक्त समितीने सदर महाविद्यालयास भेट देऊन दि.०५/०१/२०२६ रोजी (विद्यापीठ कार्यालयास प्राप्त दि.०६/०१/२०२६) अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केल्यानुसार सदर अटीची पूर्तता करण्यासाठी सदर महाविद्यालयास विद्यापीठ कार्यालयाकडून दि.१६/०१/२०२६ च्या पत्रान्वये कळविण्यात आले होते. त्यानुसार सदर महाविद्यालयाकडून दि.२७/०१/२०२६ च्या पत्रान्वये (विद्यापीठ कार्यालयास प्राप्त दि.२९/०१/२०२६) अटीची पूर्तता केल्याबाबत कळविलेले आहे. तसेच शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ पर्यंत पाच वर्षासाठी पीएच.डी. अर्थशास्त्र या विषयासाठी अटी पूर्ततेच्या अधिन राहून पीएच.डी. संशोधन केंद्रास संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस उक्त समितीने केली आहे.<br>सबब, डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस ॲण्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. अर्थशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | **डी. बी. एफ. दयानंद कॉलेज ऑफ आर्टस ॲण्ड सायन्स, सोलापूर या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. अर्थशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास सध्या संशोधन करीत असलेल्या विद्यार्थ्यांचे संशोधन कार्य पूर्ण होईपर्यंत किंवा शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता, यापैकी जे अगोदर घडेल त्यास सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ४९ ] | B.A./B.Com./B.Sc. व B. Tech. या अभ्यासक्रमासाठी NEP २०२० Ordinance तयार करण्यात आलेला असून अधिष्ठाता मंडळाने केलेली शिफारस विचारार्थ.<br>टिपणी: मा. कुलगुरु महोदयांनी NEP २०२० Ordinance तयार करण्यासाठी समिती गठीत केलेली होती. सदर समितीची दुसरी बैठक दि.१६/०७/२०२५ रोजी संपन्न झाली असून सदर बैठकीत NEP २०२० Ordinance B.A./B.Com./B.Sc. व B. Tech. या अभ्यासक्रमासाठी तयार करुन दिलेला असून सदरचा विषय दि.०४/११/२०२५ रोजी अधिष्ठाता मंडळाच्या बैठकीत ठेवला असता NEP २०२० B.A./B.Com./B.Sc. व B. Tech. Ordinance ला सर्वानुमते मान्यता देण्यात आलेली आहे.<br>सबब, B.A./B.Com./B.Sc. व B. Tech. या अभ्यासक्रमासाठी NEP २०२० Ordinance तयार करण्यात आलेला असून अधिष्ठाता मंडळाने केलेली शिफारस विचारार्थ. | अभ्यासमंडळे विभाग |
| ठराव: | B.A./B.Com./B.Sc. व B. Tech. या अभ्यासक्रमासाठी NEP २०२० Ordinance तयार करण्यात आलेला असून अधिष्ठाता मंडळाने केलेली शिफारस स्विकारुन दुरुस्तीसह सर्वानुमते व्यवस्थापन परिषदेस शिफारस करण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
| --- | --- | --- |
| [ ५० ] | प्रस्तुत विद्यापीठ सामाजिकशास्त्रे संकुलाअंतर्गत एम. ए. अप्लाईड सायकॉलॉजी (M.A. Applied Psychology) या विभागाचे एम. ए. कौन्सलिंग सायकॉलॉजी (M. A. Counselling Psychology) असे विभागाच्या नावात बदल करण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: सामाजिकशास्त्रे संकुल अंतर्गत प्रस्तुत विद्यापीठात शैक्षणिक वर्षे २०२२ मध्ये एम. ए. अप्लाईड सायकॉलॉजी (M. A. Applied Psychology) असा उल्लेख येत आहे. विद्यार्थ्याचा गुणपत्रिका पदवी प्रमाणपत्रावर अप्लाईड सायकॉलॉजी (Applied Psychology) असा उल्लेख असल्याने विद्यार्थ्याना रोजगाराच्या संधीला अडचण येत आहे. त्यामुळे गुणपत्रिका पदवी प्रमाणपत्राच्या नावात बदल करणे आवश्यक आहे.<br>सदर अभ्यासक्रमाच्या सुरवातीला एम. ए. क्लिनिकल सायकॉलॉजी (M. A. Clinical Psychology) आणि एम. ए. कौन्सलिंग सायकॉलॉजी (M. A. Counselling Psychology) असे दोन अभ्यासक्रम विद्यार्थ्यासमोर ठेवण्यात आले होते. परंतु विद्यार्थ्याच्या मागणीनुसार एम. ए. कौन्सलिंग (M. A. Counselling Psychology) हा अभ्यासक्रम निवडण्यात आला व तोच सध्या चालू आहे. ज्या शिर्षकाचा अभ्यासक्रम मुलांना शिकविला जातो. त्याच शिर्षकाची नोंद विद्यार्थ्याच्या गुणपत्रकावर व प्रमाणपत्रावर होणे अपेक्षित आहे. परंतु अप्लाईड सायकॉलॉजी (Aplied Psychology) अशी नोंद होत आहे.<br>तरी विद्यार्थ्याच्या रोजगाराच्या संधी व मागणीनुसार ज्या शिर्षकाचा अभ्यासक्रम शिकवला जाईल त्याच शिर्षकाची विद्यार्थ्याना पदवी व प्रमाणपत्र नोंद करुन देण्यात यावे. तसेच भविष्यात विद्यार्थ्यांसाठी एम. ए. क्लिनिकल सायकॉलॉजी (M. A. Clinical Psychology) हे अभ्यासक्रम सुरु करण्याची मागणी असल्यास त्यांना देखील त्याच अभ्यासक्रमाची नोंद त्यांच्या पदवी व प्रमाणपत्रावर नोंद करुन देण्यात यावे असे उक्त पत्रान्वये कळविले आहे.<br>सबब, प्रस्तुत विद्यापीठ सामाजिकशास्त्रे संकुला अंतर्गत एम. ए. अप्लाईड सायकॉलॉजी (M. A. Applied Psychology) या विभागाचे एम.ए. कौन्सलिंग सायकॉलॉजी (M. A. Counselling Psychology) असे विभागाच्या नावात बदल करण्याची बाब विचारार्थ. | सामाजिकशास्त्रे संकुल |
| ठराव: | **M.A. Applied Psychology या विषयाचे शिर्षक न बदलता PG Degree देताना विद्यार्थ्यांनी जर Clinical Psychology हा विषय घेतला असेल तर M.A. Applied Psychology: (Clinical Psychology) असा उल्लेख करुन पदव्युत्तर पदवी देण्यात यावे असे ठरले. तसेच जर विद्यार्थ्यांने Counselling Psychology हा विषय घेवून पदवी पूर्ण केली असेल तर M.A. Applied Psychology: (Counselling Psychology) असा उल्लेख करुन पदव्युत्तर पदवी प्रदान करण्यात यावी आणि त्यानुसार NEP- २०२० अभ्यासक्रमात सदर घटक समाविष्ठ करुन घ्यावेत असे सर्वानुमते ठरले.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [ ५१ ] | **कौशल्य विकास केंद्रातंर्गत सुरु असणाऱ्या विविध पारंपारिक व पॅरामेडिकल या अभ्यासक्रमाच्या घेण्यात येणाऱ्या परीक्षांचे पेपरचे पुर्नमूल्यांकनाची प्रक्रिया ही परीक्षा विभागाच्या नियमानुसार करण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: प्रस्तुत विद्यापीठ कौशल्य विकास केंद्र अंतर्गत ३ महिने, ६ महिने व १ वर्ष कालावधीचे विविध अभ्यासक्रम संस्था / महाविद्यालये, विद्यापीठ संकुले यामध्ये सुरु आहेत. सदरील अभ्यासक्रमाकरीता प्रवेशित विद्यार्थ्यांची परीक्षा ही दोन सत्रांमध्ये घेण्यात येते. मागील परीक्षांच्या तुलनेत नुकत्याच पार पडलेल्या परीक्षेच्या निकालानंतर अनुत्तीर्ण विद्यार्थ्यांकडून / संस्था, महाविद्यालये व हॉस्पिटल यांच्याकडून पुर्नमूल्यांकनाकरिता वारंवार विचारणा होत आहे.<br>सदर पुर्नमूल्यांकनाबाबत विचारणा केल्याचे लक्षात घेता कौशल्य विकास केंद्रातंर्गत अभ्यासक्रमांच्या परीक्षेच्या पेपरचे प्रथम फोटोकॉपी देणे व तद्नंतर पुर्नमूल्यांकन करणे व यासाठीचे शुल्क इ. यासाठी प्रस्तूत विद्यापीठ, परीक्षा विभागाच्या नियमांनुसार प्रक्रिया करणे आवश्यक आहे.<br>सबब, कौशल्य विकास केंद्रातंर्गत सुरु असणाऱ्या विविध पारंपारिक व पॅरामेडिकल या अभ्यासक्रमाच्या घेण्यात येणाऱ्या परीक्षांचे पेपरचे पुर्नमूल्यांकनाची प्रक्रिया ही परीक्षा विभागाच्या नियमानुसार करण्याची बाब विचारार्थ. | कौशल्य विकास विभाग |
| ठराव: | **सदरचा विषय सर्वानुमते अमान्य करण्यात आला.** | |

मा. कुलगुरु तथा अध्यक्ष महोदयांच्या परवानगीने आयत्या वेळेचे विषय:

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [५२(१)] | **प्रस्तुत विद्यापीठाच्या संकुलातील नियमित पदावर कार्यरत असलेल्या चार पात्र अध्यापकांना कॅस अंतर्गत पदोन्नती देण्यासाठी गठित करावयाच्या निवड समितीमध्ये शासन निर्णय दि. ०८ मार्च, २०१९ मधील (v) तरतूदीनुसार विद्यापीठाशी संबंधित नसलेल्या सहापेक्षा अधिक नसतील इतक्या विषय तज्ज्ञांची नावे व्यवस्थापन परिषदेकडे शिफारस करण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: प्रस्तुत विद्यापीठाच्या संकुलातील नियमित पदावर कार्यरत असलेल्या चार पात्र अध्यापकांना कॅस अंतर्गत पदोन्नती देण्याकरिता शासन निर्णय दि. ०८ मार्च, २०१९ मधील तरतूदीनुसार गठीत करावयाच्या निवड समिती मधील तरतूद क्र. v नुसार ज्या विषयासाठी अध्यापकांना पदोन्नती द्यावयाची असेल अशा विषयाचे विशेष ज्ञान असलेल्या, विद्या परिषदेने शिफारस केलेल्या विद्यापीठाशी संबंधित नसलेल्या सहापेक्षा अधिक नसतील अशा तज्ज्ञांच्या नामिकेतून व्यवस्थापन परिषदेने नामनिर्देशित केलेले तीनपेक्षा अधिक नसतील इतक्या तज्ज्ञांचे नामनिर्देशन करावयाची तरतूद विशद केली आहे.<br>त्यानुसार प्रस्तुत विद्यापीठाच्या संकुलांतील नियमित पदावर कार्यरत डॉ. विकास बाबुराव पाटील, यांना प्राध्यापक पदावरुन वरिष्ठ प्राध्यापक या पदावर, डॉ. सौ. अंजना संजय लावंड यांना सहयोगी प्राध्यापक पदावरुन प्राध्यापक या पदावर, डॉ. विकास दादाभाऊ कडू व डॉ. श्रीराम दगडू राऊत यांना सहायक प्राध्यापक (निवड श्रेणी) पदावरुन सहयोगी प्राध्यापक या पदावर कॅस अंतर्गत पदोन्नती देण्यासाठीची पुढील प्रक्रिया पार पाडण्याकरिता (Physics, Chemistry, Computer Science) या विषयासाठी विद्यापीठाबाहेरील विषय तज्ज्ञांची आवश्यकता असल्याने, प्रस्तुत विद्यापीठाचे प्र. अधिष्ठाता, विज्ञान व तंत्रज्ञान विद्याशाखा यांचेकडून सदर विषयाची यादी मागविण्यात आली असून, त्यांनी संबंधित विषयनिहाय ०६ विषयतज्ज्ञांची यादी दि.०२/०२/२०२६ रोजी दिलेली आहे. | आस्थापना विभाग |

सबब, प्रस्तुत विद्यापीठाच्या संकुलातील नियमित पदावर कार्यरत असलेल्या चार पात्र अध्यापकांना कॅस अंतर्गत पदोन्नती देण्यासाठी गठित करावयाच्या निवड समितीमध्ये शासन निर्णय दि. ०८ मार्च, २०१९ मधील (v) तरतूदीनुसार विद्यापीठाशी संबंधित नसलेल्या सहापेक्षा अधिक नसतील इतक्या विषय तज्ज्ञांची नावे व्यवस्थापन परिषदेकडे शिफारस करण्याची बाब विचारार्थ.

ठराव: प्रस्तुत विद्यापीठाच्या संकुलातील नियमित पदावर कार्यरत असलेल्या चार पात्र अध्यापकांना कॅस अंतर्गत पदोन्नती देण्यासाठी गठित करावयाच्या निवड समितीमध्ये शासन निर्णय दि.०८ मार्च, २०१९ मधील (v) तरतूदीनुसार विद्यापीठाशी संबंधित नसलेल्या सहापेक्षा अधिक नसतील इतक्या विषयतज्ञांच्या यादीतील खालील विषय तज्ञांची शिफारस सर्वानुमते व्यवस्थापन परिषदेकडे करण्यात आली.

**List of Sr. Professors (Physics)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1) | **Prof. K. Y. Rajpure**<br>Department of Physics,<br>Shivaji University, Kolhapur<br>Email: rajpureky@gmail.com<br>Mobile: 9604250006 | 2) | **Prof. A. S. Kumbharkhane**<br>Department of Physics,<br>Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded<br>Email: akumbharkhane@yahoo.co.in<br>Mobile: 9421869112 |
| 3) | **Prof. K. M. Jadhav**<br>School of Basic & Applied Physics<br>M.G.M. University,<br>Chh. Sambhajinagar<br>Email: drjadhavkm@gmail.com<br>Mobile: 9422686061 | 4) | **Prof. Sandesh R. Jadkar**<br>Department of Physics,<br>Savitribai Phule Pune University, Pune<br>Email: sandeshjadkar@gmail.com<br>Mobile: 9765361124 |
| 5) | **Prof. R. L. Raibagkar**<br>Department of Applied Electronics<br>Gulbarga University, Kalburgi, Karnataka<br>Email: rlraibagkar@gmail.com<br>Mobile: 9739302083 | 6) | **Prof. M. D. Shirsat**<br>Department of Physics,<br>Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chh. Sambhajinagar<br>Email: mdshirsat@gmail.com<br>Mobile: 9422291987 |

**List of Subject Expert for (Computer Science)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1) | **Dr. Arvind W. Kiwelekar**<br>Professor in the Department of Computer Engineering,<br>Dr. Babasaheb Ambedkar Technological University, Lonere<br>Email: dbatu.ac.in | 2) | **Dr. G. J. Rajput**<br>Karnataka State Akkamahadevi Women University, Vijaypura<br>Email: ggrajput@kswu.ac.in<br>Mobile: 9449173884 |
| 3) | **Dr. Shankar Mali**<br>Professor, Department of Computer Science,<br>MIT World Peace University, Pune<br>Email: shankarmali007@gmail.com | 4) | **Dr. Ajay S. Patil**<br>Professor & Head, Department of Computer Applications, School of Computer Sciences,<br>Kavayitri Bahinabai Chaudhari North Maharashtra University, Jalgaon<br>Email: ajaypatil.nmu@gmail.com<br>Mobile: 9423975215 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | 5) | **Dr. Bharati Gawali**<br>Senior Professor and Head,<br>Department of computer Science & Information Technology,<br>Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada university,<br>Chh. Sambhajinagar<br>Email: drbhartirokade@gmail.com<br>Mobile: 9404012032, 9922182328 | 6) | **Dr. Rakesh Ramteke**<br>Sr. Professor & Director,<br>School of Computer Sciences, HOD of Dr. Ambedkar Thought, School of Social Sciences, Kavayitri Bahinabai Chaudhari North Maharashtra University, Jalgaon<br>Email: rjramteke@nmu.ac.in<br>Mobile: 9284275691 | |
| | **List of Subject Expert for (Chemistry)** | | | | |
| | 1) | **Prof. Kolekar Sanjay Subrao**<br>Senior Professor,<br>Department of Chemistry,<br>Shivaji University, Kolhapur<br>Email: sskolekar@gmail.com<br>Mobile: 9881762426 | 2) | **Prof. Sheshanath Vishwanath Bhosale**<br>UGC-FRP Professor, School of Chemical Sciences, Department of Chemistry, Central University of Karnataka, Kadaganchi, Karnataka<br>Email: bsheshanath@cuk.ac.in<br>Mobile: 9764068163 | |
| | 3) | **Prof. Atul Chaskar**<br>Head of Department,<br>IOC Bhubaneswar<br>Institute of Chemical Technology, Mumbai<br>Email: ac.chaskar@ictmumbai.edu.in | 4) | **Dr. Shivaram S. Garje**<br>Professor in the Department of Chemistry and the I/C Director (GICED) at the University of Mumbai<br>Email: director@giced.mu.ac.in<br>Phone: 022 26530267 | |
| | 5) | **Dr. Bhaskar R. Sathe**<br>(Fulbright Fellow, F-MASc)<br>Professor, Department of Chemistry<br>Co-ordinator-Department of Forensic Science,<br>Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University,<br>Chh. Sambhajinagar<br>Email: bhaskarsathe@gmail.com<br>Mobile: 8275306471, 8999123255 | 6) | **Dr. Sanjay Kamble**<br>Chief Scientist, CSIR-National Chemical Laboratory, Pune<br>Email: sp.kamble.ncl@csir.res.in<br>Mobile: 9423055351 | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [५२(२)] | श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. राज्यशास्त्र या संशोधन केंद्रास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या सन २०२६-२७ पासून पीएच.डी. राज्यशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणासाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला होता.<br>संलग्निकरणाचे नूतनीकरण: पीएच.डी. राज्यशास्त्र संशोधन केंद्र.<br>त्याअनुषंगाने, प्रस्तुत प्रस्ताव सन २०२६-२७ पासून संलगिनकरणाच्या नूतनीकरणास मान्यता देण्यासंदर्भात भारत का राजपत्र यातील विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतू न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया विनयम, २०१६) मधील अधिसूचना क्र.१० नुसार खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१. डॉ. आय. जे. तांबोळी - अध्यक्ष<br>२. डॉ. आर. पी. बुवा - सदस्य<br>३. डॉ. एस. एस. काशिद - सदस्य<br>उपरोक्त समितीने सदर महाविद्यालयास भेट देऊन दि.१६/०१/२०२६ रोजी (विद्यापीठ कार्यालयास प्राप्त दि.१७/०१/२०२६) अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केल्यानुसार सदर अटीची पूर्तता करण्यासाठी सदर महाविद्यालयास विद्यापीठ कार्यालयाकडून दि.२८/०१/२०२६ च्या पत्रान्वये कळविण्यात आले होते. त्यानुसार सदर महाविद्यालयाकडून दि.३१/०१/२०२६ च्या पत्रान्वये (विद्यापीठ कार्यालयास प्राप्त दि.०३/०२/२०२६) अटीची पूर्तता केल्याबाबत कळविलेले आहे. तसेच शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ पर्यंत पाच वर्षासाठी पीएच.डी. राज्यशास्त्र या विषयासाठी अटी पूर्ततेच्या अधिन राहून पीएच.डी. संशोधन केंद्रास संलग्निकरणाच्या नूतनीकरणास मान्यता देण्याची शिफारस उक्त समितीने केली आहे.<br>सबब, श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. राज्यशास्त्र या संशोधन केंद्रास शै. वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता संलग्निकरणाच्या पाच वर्षाकरीता संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संशोधन विभाग |
| ठराव: | श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी या महाविद्यालयाच्या पीएच.डी. राज्यशास्त्र या संशोधन केंद्राच्या संलग्निकरणाच्या नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ ते २०३०-३१ या पाच वर्षाकरीता देण्यास सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [५२(३)] | शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ करीता B.Sc. Part-I Data Science या अभ्यासक्रमामध्ये SEC मधील Introduction to R Programming हा विषय Practical Based आहे. सदरची दुरुस्ती केलेला अभ्यासक्रम माहितीस्तव.<br>टिपणी: विज्ञान व तंत्रज्ञान विद्याशाखे अंतर्गत येणाऱ्या B.Sc. Part-I Data Science मा. डॉ. डी. एम. झोंबाडे, अध्यक्ष, संख्याशास्त्र अभ्यासमंडळ यांनी B.Sc. Part-I Data Science या अभ्यासक्रमास मान्यता प्रदान केल्यानंतर दि.१७/१०/२०२५ रोजीच्या मा. विद्यापरिषदेच्या बैठकीत सादर केले असता सदर बैठकीत संगणकशास्त्र अभ्यासक्रम परत पाठविण्यास सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.<br>त्यास अनुसरून कॉम्प्युटर सायन्स या अभ्यासमंडळामध्ये सादर केले असता मा. डॉ. डी. एम. झोबाडे, अध्यक्ष, संख्याशास्त्र अभ्यासमंडळ व मा. डॉ. अशोक शिंदे, अध्यक्ष, कॉम्प्युटर सायन्स, अभ्यासमंडळ यांनी खालीलप्रमाणे बदल करून ठरावात दुरूस्ती केली आहे.<br>रात १२ (७) नुसार मान्यता घेवून माहितीस्तव सादर.)<br>सबब, B.Sc. Part-I Data Science या अभ्यासक्रमामध्ये SEC मधील Introduction to R Programming हा विषय Practical Based आहे. सदरची दुरुस्ती केलेला अभ्यासक्रम माहितीस्तव. | अभ्यासमंडळे विभाग |
| ठराव: | शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ करीता B.Sc. Part-I Data Science या अभ्यासक्रमामध्ये SEC मधील Introduction to R Programming हा विषय Practical Based असून, सदरची दुरुस्ती केलेला अभ्यासक्रमाची नोंद घेण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [५२(४)] | प्रस्तुत विद्यापीठात शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण २०२० बी. ए. भाग २ सत्र ४ IV करीता मध्ययुगीन काव्य DSC-५ मधील अभ्यासक्रमामध्ये संत नामदेवच्या १० पदा ऐवजी ५ पदे करण्यात यावे तसेच संत तुकडोजी ऐवजी संत तुकारामाच्या ५ पदाचा अभ्यासक्रमामध्ये समावेश करण्याबाबत मानवविज्ञान विद्याशाखेच्यावतीने केलेली शिफारस विचारार्थ.<br>टिपणी: शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण २०२० च्या नुसार BA II भाग - २ सत्र ४ IV मधील मध्ययुगीन काव्य DSC-५ मधील अभ्यासक्रमामध्ये संत नामदेवच्या १० पदाऐवजी ५ पदे करण्यात यावे तसेच संत तुकडोजी ऐवजी संत तुकारामाच्या ५ पदाचा समावेश अभ्यासक्रमात करण्यात यावा असे हिंदी अभ्यासमंडळाच्या बैठकीत सर्वानुमते ठरले.<br>सबब, प्रस्तुत विद्यापीठात शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण २०२० बी. ए. भाग २ सत्र ४ IV करीता मध्ययुगीन काव्य DSC-५ मधील अभ्यासक्रमामध्ये संत नामदेवच्या १० पदा ऐवजी ५ पदे करण्यात यावे तसेच संत तुकडोजी ऐवजी संत तुकारामाच्या ५ पदाचा अभ्यासक्रमामध्ये समावेश करण्याबाबत मानवविज्ञान विद्याशाखेच्यावतीने केलेली शिफारस विचारार्थ. | अभ्यासमंडळे विभाग |
| ठराव: | प्रस्तुत विद्यापीठात शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण २०२० बी. ए. भाग २ सत्र ४ IV करीता मध्ययुगीन काव्य DSC-५ मधील अभ्यासक्रमामध्ये संत नामदेवच्या १० पदा ऐवजी ५ पदे करण्यात यावे तसेच संत तुकडोजी ऐवजी संत तुकारामाच्या ५ पदाचा अभ्यासक्रमामध्ये समावेश करण्याबाबत मानवविज्ञान विद्याशाखेच्यावतीने केलेली शिफारस स्विकारुन दुरुस्तीसह सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [५२(५)] | शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ करीता PET-९ च्या Ph.D. Course Work चा आराखडा तयार करण्यात आला असून, सदर आराखडा विचारार्थ.<br>टिपणी: शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ करीता Ph.D. Course Work साठी आराखडा तयार करण्यात आला आहे. सदर आराखडा मा. अधिष्ठाता मंडळाच्या दि.०४/११/२०२५ रोजीच्या झालेल्या बैठकीमध्ये सादर केले असता "PET-९ च्या Ph.D. Course Work परीक्षेसाठी यापूर्वी PET-८ करीता तयार करण्यात आलेला अभ्यासक्रम पेपर १ (४ क्रेडीट), पेपर २ (४ क्रेडीट), व पेपर ३ (४ क्रेडीट) केली असा १२ क्रेडीटचा PET-९ विद्यार्थ्यांसाठी Ph.D. Course Work अभ्यासक्रम लागू करण्यात यावा असे सर्वानुमते ठरले. तसेच पेपर -३ चे Credit Structure हे ४ क्रेडीट प्रमाणे ठरविण्यात आले." असा ठराव पारित करण्यात आला.<br>शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ करिता दि.१७/०१/२०२६ रोजी मा. अधिष्ठाता मंडळाने Ph.D. Course Work च्या आराखड्यास मान्यता प्रदान करण्यात केली आहे.)<br>सबब, शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ करीता PET-९, Ph.D. Course Work चा आराखडा तयार करण्यात आला असून, सदर आराखडा विचारार्थ. | अभ्यासमंडळे विभाग |
| ठराव: | शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ करीता PET-९ च्या Ph.D. Course Work चा आराखड्यास दुरुस्तीसह सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [५२(६)] | प्रस्तुत विद्यापीठाशी संलग्नित AAA करिता पात्र महाविद्यालयांचा शैक्षणिक वर्ष २०२०-२१, २०२१-२२ व २०२२-२३ या कालावधीचा विद्याविषयक दर्जा व विद्याविषयक प्रशासनाचा दर्जा (Academic and Administrative Audit-AAA) तपासून संबंधित महाविद्यालयाच्या AAA समिती अध्यक्षांनी ऑनलाईनप्रणालीद्वारे विद्यापीठास सादर केलेल्या अहवालाचे दि. ०३/०२/२०२६ रोजीच्या बैठकीत अवलोकन होवून सर्व विद्याशाखेचे प्रभारी अधिष्ठाता आणि सहयोगी अधिष्ठाता यांनी खालीलप्रमाणे केलेल्या शिफारशी विचारार्थ.<br>१) सोबत जोडलेल्या विहीत नमुन्यात ८७ पैकी ८२ महाविद्यालयांना AAA च्या Proforma मध्ये नमूदप्रमाणे संबंधित प्रमाणपत्रे व ज्या महाविद्यालयांनी E Grade मिळविलेला आहे, अशा महाविद्यालयांना Show Cause Notice पारित करणे.<br>२) डी. ए. व्ही. वेलणकर कॉलेज ऑफ कॉमर्स सोलापूर, लक्ष्मीबाई भाऊराव पाटील महिला महाविद्यालय सोलापूर, श्रीराम इन्स्टिट्यूट ऑफ इन्फॉरमेशन टेक्नॉलॉजी, पानीव या ३ महाविद्यालयांच्या AAA समितीतील बहि:स्थ सदस्य गैरहजर होते याबाबत धोरणात्मक निर्णय घेणे.<br>३) ब्रम्हदेवदादा माने इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी, बेलाटी या महाविद्यालयाच्या AAA समितीतील बहि:स्थ सदस्य Online उपस्थित होते याबाबत निर्णय घेणे.<br>टिपणी: शैक्षणिक वर्ष २०२०-२१, २०२१-२२ आणि २०२२-२३ या वर्षाचे AAA ऑनलाईन प्रणालीद्वारे करण्यात येत असून ८७ संलग्नित पात्र महाविद्यालयांना AAA करुन घेणेकामी ऑनलाईन पत्र पाठविण्यात आले आहेत. त्यापैकी ८२ महाविद्यालयांच्या AAA समितीच्या अध्यक्षांनी अहवाल ऑनलाईन पध्दतीने विद्यापीठास सादर केला आहे. दि. ०३/०२/२०२६ रोजीच्या बैठकीत सदर अहवालाचे अवलोकन करुन सर्व विद्याशाखांचे प्रभारी अधिष्ठाता व सहयोगी प्रभारी अधिष्ठाता यांनी AAA समितीने विद्यापीठास सादर केलेल्या अहवालानुसार तयार करण्यात आलेल्या अनुदानित व विनाअनुदानित महाविद्यालयांच्या यादीमध्ये शेरा या मथळ्याखाली पृष्ठांकन करुन विद्यापरिषदेकडे सर्वानुमते शिफारस केली आहे.<br>सबब, प्रस्तुत विद्यापीठाशी संलग्नित AAA करिता पात्र महाविद्यालयांचा शैक्षणिक वर्ष २०२०-२१, २०२१-२२ व २०२२-२३ या कालावधीचा विद्याविषयक दर्जा व विद्याविषयक प्रशासनाचा दर्जा (Academic and Administrative Audit-AAA) तपासून संबंधित महाविद्यालयाच्या AAA समिती अध्यक्षांनी ऑनलाईनप्रणालीद्वारे विद्यापीठास सादर केलेल्या अहवालाचे दि. ०३/०२/२०२६ रोजीच्या बैठकीत अवलोकन होवून सर्व विद्याशाखेचे प्रभारी अधिष्ठाता आणि सहयोगी अधिष्ठाता यांनी खालीलप्रमाणे केलेल्या शिफारशी विचारार्थ. | संलग्नता विभाग |

१) सोबत जोडलेल्या विहीत नमुन्यात ८७ पैकी ८२ महाविद्यालयांना AAA च्या Proforma मध्ये नमूदप्रमाणे संबंधित प्रमाणपत्रे व ज्या महाविद्यालयांनी E Grade मिळविलेला आहे, अशा महाविद्यालयांना Show Cause Notice पारित करणे.

२) डी.ए.व्ही. वेलणकर कॉलेज ऑफ कॉमर्स सोलापूर, लक्ष्मीबाई भाऊराव पाटील महिला महाविद्यालय सोलापूर, श्रीराम इन्स्टिट्यूट ऑफ इन्फॉरमेशन टेक्नॉलॉजी, पानीव या ३ महाविद्यालयांच्या AAA समितीतील बहि:स्थ सदस्य गैरहजर होते याबाबत धोरणात्मक निर्णय घेणे.

३) ब्रम्हदेवदादा माने इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी, बेलाटी या महाविद्यालयाच्या AAA समितीतील बहि:स्थ सदस्य Online उपस्थित होते याबाबत निर्णय घेणे.

ठराव: प्रस्तुत विद्यापीठाने AAA च्या समित्या पाठविलेल्या ८७ महाविद्यालयांपैकी ८२ महाविद्यालयांना AAA च्या Proforma मध्ये नमूदप्रमाणे संबंधित प्रमाणपत्रे देण्यास सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. तसेच ज्या महाविद्यालयांनी D व E Grade मिळविला आहे अशा महाविद्यालयांना गुणवत्ता वाढीसाठी, त्यांच्या अडचणी, समस्या यावर अभ्यास करण्यासाठी खालीलप्रमाणे समिती गठीत करण्यात आली. सदर समितीने अहवाल दि.१५ मार्च, २०२६ पर्यंत सादर करावा व समितीचा दैनिक व प्रवास भत्ता संबंधित महाविद्यालयाने अदा करावा असे ठरले.

| अ.क्र. | समिती सदस्याचे नाव | पदनाम |
|---|---|---|
| १) | प्रा. (डॉ.) लक्ष्मीकांत बसवराज दामा, प्र-कुलगुरु | अध्यक्ष |
| २) | डॉ. शशिकांत हरिश्चंद्र गायकवाड | सदस्य |
| ३) | डॉ. हनुमंत कृष्णा आवताडे | सदस्य |
| ४) | डॉ. बद्रीनाथ दामजी | सदस्य |
| ५) | डॉ. राजीवकुमार शिवशंकर मेंते | सदस्य-सचिव |

डी. ए. व्ही. वेलणकर कॉलेज ऑफ कॉमर्स सोलापूर, लक्ष्मीबाई भाऊराव पाटील महिला महाविद्यालय सोलापूर, श्रीराम इन्स्टिट्यूट ऑफ इन्फॉरमेशन टेक्नॉलॉजी, पानीव या महाविद्यालयांच्या बहि:स्थ सदस्यांबाबत अपरिहार्य परिस्थितीत अनुपस्थित राहिल्याबाबतची नोंद घेण्यात आली. तसेच ब्रम्हदेवदादा माने इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी, बेलाटी या महाविद्यालयाच्या AAA समितीतील बहि:स्थ सदस्य Online उपस्थित होते याबाबतची नोंद घेण्यात आली.

तसेच ज्या महाविद्यालयाने अद्यापपर्यंत २०२०-२१, २०२१-२२ व २०२२-२३ या कालावधीचा विद्याविषयक दर्जा व विद्याविषयक प्रशासनाचा दर्जा (Academic and Administrative Audit-AAA) करुन घेतले नाही अशा महाविद्यालयांनी दि.१५ मार्च, २०२६ पर्यंत करुन घेण्यास मान्यता देण्यात आली. तसेच या मुदतीत न केल्यास संलग्निकरण काढून घेण्याची कारवाई करण्यात येईल असे ठरले.

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [५२(७)] | **मदनसिंह मोहिते-पाटील विज्ञान महाविद्यालय, मंगळवेढा या महाविद्यालयातील शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. एस्सी. भाग १ ते ३ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: मदनसिंह मोहिते-पाटील विज्ञान महाविद्यालय, मंगळवेढा या महाविद्यालयाकडून शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. एस्सी. भाग १ ते ३ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणाच्या प्राप्त प्रस्तावासंदर्भात महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन सविस्तर अहवाल सादर करणेकामी खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) डॉ. पी. एम. पवार (अध्यक्ष)<br>२) डॉ. एस. एच. गायकवाड (सदस्य)<br>३) डॉ. सी. पी. पिसे (सदस्य)<br>उक्त समिती अध्यक्ष / सदस्यांनी सदर महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल विद्यापीठाकडे सादर केलेला असून, समितीने सदर अहवालात बी.एस्सी. भाग १ ते ३ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून शिफारस केलेली आहे.<br>स्थानिक चौकशी समितीने सुचविलेल्या अटीपूर्तता करणेबाबत महाविद्यालयास पत्रान्वये कळविण्यात आले होते. तथापि, सदरील महाविद्यालयाकडून विहित वेळेत अटीपूर्तता अहवाल या कार्यालयास प्राप्त न झाल्याने पुन:श्च स्मरणपत्राद्वारे अटीपूर्तता अहवाल सादर करणेबाबत कळविले आहे. तथापि, महाविद्यालयाकडून अटीपूर्तता अहवाल अद्यापपर्यंत प्राप्त झालेला नाही.<br>सबब, मदनसिंह मोहिते-पाटील विज्ञान महाविद्यालय, मंगळवेढा या महाविद्यालयातील शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. एस्सी. भाग १ ते ३ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>१) वर्गखोल्या, प्रयोगशाळा, सुस्थितीत करण्यात याव्या. | संलग्नता विभाग |

| | | |
|---|---|---|
| | २) कार्यभारानुसार किमान सहा (०६) शिक्षकांची तसेच प्राचार्य व शारीरिक शिक्षण संचालक, ग्रंथपाल यांच्या नेमणूका शासकीय नियमानुसार करण्यात याव्यात.<br>३) विद्यापीठाने व शासनाने दिलेल्या मार्गदर्शक तत्तवानुसार महाविद्यालयात विविध स्टॅटूटरी समित्यांची नियुक्ती करण्यात येऊन त्यांच्या वर्षातून किमान बैठका घेण्यात याव्यात.<br>४) ग्रंथालयासाठी NEP - २०२० नुसार किमान रु.१०,०००/- (रु. दहा हजाराची) पुस्तके व प्रयोगशाळांसाठी एकत्रितपणे रु.३०,०००/- (रु. तीस हजार) पर्यंतची साहित्य खरेदी करण्यात यावे. | |
| ठराव: | मदनसिंह मोहिते-पाटील विज्ञान महाविद्यालय, मंगळवेढा या महाविद्यालयातील बी. एस्सी. भाग १ ते ३ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता खालील अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.<br>१) वर्गखोल्या, प्रयोगशाळा, सुस्थितीत करण्यात याव्या.<br>२) कार्यभारानुसार किमान सहा (०६) शिक्षकांची तसेच प्राचार्य व शारीरिक शिक्षण संचालक, ग्रंथपाल यांच्या नेमणूका शासकीय नियमानुसार करण्यात याव्यात.<br>३) विद्यापीठाने व शासनाने दिलेल्या मार्गदर्शक तत्तवानुसार महाविद्यालयात विविध स्टॅटूटरी समित्यांची नियुक्ती करण्यात येऊन त्यांच्या वर्षातून किमान बैठका घेण्यात याव्यात.<br>४) ग्रंथालयासाठी NEP - २०२० नुसार किमान रु.१०,०००/- (रु. दहा हजाराची) पुस्तके व प्रयोगशाळांसाठी एकत्रितपणे रु.३०,०००/- (रु. तीस हजार) पर्यंतची साहित्य खरेदी करण्यात यावे. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [५२(८)] | **श्री विठ्ठल एज्युकेशन ॲण्ड रिसर्च इन्स्टिट्यूट्स कॉलेज ऑफ फार्मसी, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून एम. फार्मसी (फार्मासुटिक्स) भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ व २०२७-२८ या दोन वर्षाकरिता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.**<br>टिपणी: श्री विठ्ठल एज्युकेशन ॲण्ड रिसर्च इन्स्टिट्यूट्स कॉलेज ऑफ फार्मसी, पंढरपूर या महाविद्यालयाकडून शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून एम. फार्मसी (फार्मासुटिक्स) भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणाच्या प्राप्त प्रस्तावासंदर्भात महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन सविस्तर अहवाल सादर करण्याकामी खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) प्राचार्य डॉ. आर. एस. गायकवाड (अध्यक्ष)<br>२) प्रा. डॉ. एम. एस. कलशेट्टी (सदस्य)<br>३) श्री. जी. के. कोष्टी (सदस्य)<br>उक्त समिती सदस्यांनी सदर महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल या कार्यालयाकडे सादर केलेला असून, समितीने शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून एम. फार्मसी (फार्मासुटिक्स) भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ व २०२७-२८ या दोन वर्षाकरीता विना अट शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, श्री विठ्ठल एज्युकेशन ॲण्ड रिसर्च इन्स्टिट्यूट्स कॉलेज ऑफ फार्मसी, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून एम. फार्मसी (फार्मासुटिक्स) भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ व २०२७-२८ या दोन वर्षाकरिता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संलग्नता विभाग |
| ठराव: | **श्री विठ्ठल एज्युकेशन ॲण्ड रिसर्च इन्स्टिट्यूट्स कॉलेज ऑफ फार्मसी, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या एम. फार्मसी (फार्मासुटिक्स) भाग १ व २ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ व २०२७-२८ या दोन वर्षाकरिता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [५२(९)] | श्री विठ्ठल एज्युकेशन ॲण्ड रिसर्च इन्स्टिट्यूटस् कॉलेज ऑफ फार्मसी, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बी. फार्मसी भाग १ ते ४ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ व २०२७-२८ या दोन वर्षाकरिता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ.<br>टिपणी: श्री विठ्ठल एज्युकेशन ॲण्ड रिसर्च इन्स्टिट्यूटस् कॉलेज ऑफ फार्मसी, पंढरपूर या महाविद्यालयाकडून शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बी. फार्मसी भाग १ ते ४ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणाच्या प्राप्त प्रस्तावासंदर्भात महाविद्यालयास भेट देवून आवश्यक ती चौकशी करुन सविस्तर अहवाल सादर करण्याकामी खालीलप्रमाणे स्थानिक चौकशी समिती नियुक्त करण्यात आली होती.<br>१) प्राचार्य डॉ. आर. एस. गायकवाड (अध्यक्ष)<br>२) प्रा. डॉ. एम. एस. कलशेट्टी (सदस्य)<br>३) श्री. जी. के. कोष्टी (सदस्य)<br>उक्त समिती सदस्यांनी सदर महाविद्यालयास भेट देवून अहवाल या कार्यालयाकडे सादर केलेला असून, समितीने शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बी.फार्मसी भाग १ ते ४ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ व २०२७-२८ या दोन वर्षाकरीता विना अट शिफारस केलेली आहे.<br>सबब, श्री विठ्ठल एज्युकेशन ॲण्ड रिसर्च इन्स्टिट्यूटस् कॉलेज ऑफ फार्मसी, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून बी. फार्मसी भाग १ ते ४ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ व २०२७-२८ या दोन वर्षाकरिता मान्यता देण्याची बाब विचारार्थ. | संलग्नता विभाग |
| ठराव: | श्री विठ्ठल एज्युकेशन ॲण्ड रिसर्च इन्स्टिट्यूटस् कॉलेज ऑफ फार्मसी, पंढरपूर या महाविद्यालयाच्या बी. फार्मसी भाग १ ते ४ या अभ्यासक्रमाच्या संलग्निकरणाचे नुतनीकरणास शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ व २०२७-२८ या दोन वर्षाकरिता सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली. | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
|---|---|---|
| [५२(१०)] | दि. २८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्या परिषदेच्या बैठकीतील ठराव क्र. ३५ च्या अनुरोधाने सौ. प्रेमाताई पाटील कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, गौडगाव या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. ए. भाग १ व २ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग ३ च्या नैसर्गिक विस्तार या अभ्यासक्रमासंदर्भात महाविद्यालयाने अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरीता मा. कुलगुरु महोदयांनी नियुक्त केलेल्या प्राचार्य डॉ. आय. जे. तांबोळी यांच्या एक सदस्यीय समितीने सादर केलेला अहवाल विचारार्थ.<br>टिपणी: सौ. प्रेमाताई पाटील कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, गौडगाव या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. ए. भाग १ व २ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग ३ च्या नैसर्गिक विस्तारास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून मान्यता देण्याची बाब दि.२८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्या परिषदेच्या बैठकीत विचारार्थ सादर केली असता, त्यावर ठराव क्र. ३५ अन्वये खालीलप्रमाणे ठराव पारित झाला होता.<br>'सदर महाविद्यालयातील शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. ए. भाग १ व २ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग ३ च्या नैसर्गिक विस्तारास शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता स्थानिक चौकशी समितीने सूचित केलेल्या अटीपूर्ततेच्या अधिन राहून सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.<br>तसेच सदर महाविद्यालयास दोन महिन्यानंतर अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरिता एक समिती पाठविण्यात यावी व त्या समितीचा खर्च संबंधीत महाविद्यालयाने करावा असेही सर्वानुमते ठरले.'<br>उपरोक्त ठरावाच्या अनुरोधाने विद्यापीठाचे पत्र क्र. पुअहोसोविसो / संलग्नता /२०२५-२६/६५९५, दि.१६/०८/२०२५ अन्वये शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ या एका वर्षाकरिता मान्यता पत्र निर्गमित करण्यात आले आहे. तसेच ठरावाच्या अनुरोधाने मा. कुलगुरु महोदयांनी महाविद्यालयाने सदरील अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याची पडताळणी करणेकामी नियुक्त केलेल्या प्राचार्य डॉ. आय. जे. तांबोळी यांच्या एक सदस्यीय समितीने महाविद्यालयास प्रत्यक्ष भेट देवून खालीलप्रमाणे अहवाल सादर केलेला आहे. | संलग्नता विभाग |

| अट क्र. | स्थानिक चौकशी समितीच्या अटी | अटी पडताळणी समितीची शेरा |
|---|---|---|
| १. | विद्यापीठाच्या नियमानुसार नियमित प्राचार्य आवश्यक शिक्षक, ग्रंथपाल आणि फिजिकल डायरेक्टर यांची नेमणूक करण्यात यावी. | कार्यवाही सुरु आहे. मा. विभागीय सहसंचालक, उच्च शिक्षण, सोलापूर विभाग, सोलापूर यांचेकडे पद मान्यता मिळणेबाबतचा प्रस्ताव सादर केला असल्याचे सोबतच्या सहपत्रावरुन दिसून येते. |
| २. | ग्रंथालयासाठी NEP (Minimum Essential Programme) नुसार प्रत्येक विषयासाठी कला शाखेसाठी किमान ५ संदर्भग्रंथांची खरेदी करण्यात यावी. | ग्रंथालयासाठी NEP (Minimum Essential Programme) नुसार प्रत्येक विषयासाठी कला शाखेसाठी किमान ५ संदर्भग्रंथांची खरेदी करण्यात आलेली आहे. |
| ३. | किमान ५ शैक्षणिक मासिकांची सदस्यता (Subscription List) घ्यावी. (योजना, समाजप्रबोधन पत्रिका, इ.) | सूचनेप्रमाणे मासिकांचे Subscription घेण्यात आले आहे. |
| ४. | ग्रंथालयासाठी किमान रु.३०,०००/- (बी.ए. भाग १ ते ३ NEP नुसार) कला शाखेसाठी लागणाऱ्या विषयांची ग्रंथांची खरेदी करण्यात यावी. | ग्रंथालयासाठी किमान रु.३०,०००/- (बी.ए. भाग १ ते ३ NEP नुसार) लागणाऱ्या विषयांची ग्रंथांची खरेदी करण्यात आलेली आहे. |
| ५. | ग्रंथालय व वाचन कक्षाची स्वतंत्र व्यवस्था करण्यात यावी. | ग्रंथालय व वाचन कक्षाची स्वतंत्र व्यवस्था करण्यात आलेली आहे. सोबत फोटो जोडण्यात आला आहे. |
| ६. | प्राचार्य व शिक्षकांसाठी स्वतंत्र कक्षाची व्यवस्था करण्यात यावी. | प्राचार्य व शिक्षकांसाठी स्वतंत्र कक्षाची व्यवस्था करण्यात आलेली आहे. सोबत फोटो जोडण्यात आला आहे. |
| ७. | मुलींसाठी सर्व सुविधांसह स्वतंत्र खोली व स्वच्छतागृहाची सुसज्ज व्यवस्था करावी. | मुलींसाठी सर्व सुविधांसह स्वतंत्र खोली व स्वच्छतागृहाची सुसज्ज व्यवस्था करण्यात आलेली आहे. सोबत फोटो जोडण्यात आला आहे. |
| ८. | विद्यार्थी संख्येनुसार जिमखानाच्या साहित्याची खरेदी करण्यात यावी. | विद्यार्थी संख्येनुसार जिमखानाच्या साहित्याची खरेदी करण्यात आलेली आहे. |
| ९. | शिक्षकांचे Muster नियमित व अद्ययावत ठेवावे. | शिक्षकांचे Muster नियमित व अद्ययावत ठेवण्यात आलेले आहे. |
| १०. | CDC, महिला तक्रार निवारण समिती, ॲन्टी रॅगिंग समिती विद्यापीठ नियमानुसार स्थापन केले जावेत. | CDC, महिला तक्रार निवारण समिती, ॲन्टी रॅगिंग समिती विद्यापीठ नियमानुसार स्थापन करण्यात आलेले आहे. सोबत समित्या बैठकांच्या सहपत्रांच्या साक्षांकित प्रती जोडण्यात आल्या आहेत. |

| | | |
|---|---|---|
| | सौ. प्रेमाताई पाटील कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, गौडगाव या महाविद्यालयास भेट देवून अटीपूर्ततेची पडताळणी केली असून, महाविद्यालयाने वरील १ ते १० अटींची पूर्तता केलेली आहे. असा अहवाल सादर करीत आहे. अशी शिफारस प्राचार्य डॉ. आय. जे. तांबोळी यांच्या एक सदस्यीय समितीने केलेली आहे.<br><br>सबब, दि. २८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्या परिषदेच्या बैठकीतील ठराव क्र. ३५ च्या अनुरोधाने सौ. प्रेमाताई पाटील कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, गौडगाव या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. ए. भाग १ व २ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग ३ च्या नैसर्गिक विस्तार या अभ्यासक्रमासंदर्भात महाविद्यालयाने अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरीता मा. कुलगुरु महोदयांनी नियुक्त केलेल्या प्राचार्य डॉ. आय. जे. तांबोळी यांच्या एक सदस्यीय समितीने सादर केलेला अहवाल विचारार्थ. | |
| ठराव: | **दि. २८ जुलै, २०२५ रोजीच्या विद्या परिषदेच्या बैठकीतील ठराव क्र. ३५ च्या अनुरोधाने सौ. प्रेमाताई पाटील कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, गौडगाव या महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ पासून बी. ए. भाग १ व २ चे संलग्निकरणाचे नुतनीकरण व भाग ३ च्या नैसर्गिक विस्तार या अभ्यासक्रमासंदर्भात महाविद्यालयाने अटींची पूर्तता केली आहे का नाही याचा आढावा घेण्याकरीता मा. कुलगुरु महोदयांनी नियुक्त केलेल्या प्राचार्य डॉ. आय. जे. तांबोळी यांच्या एक सदस्यीय समितीने सादर केलेला अहवाल स्विकारुन सर्वानुमते मान्यता देण्यात आली.** | |

| अ.क्र. | विषय / बाब | विभाग |
| --- | --- | --- |
| [५२(११)] | AICTE च्या अंतर्गत जे काही प्रोफेशनल महाविद्यालयातील शिक्षकांसाठी वयोमर्यादा ७० वर्षे करण्याबाबतचे शासन निर्णयातील तरतूदी विचारार्थ. | शिक्षक मान्यता विभाग |
| ठराव: | AICTE च्या अंतर्गत जे काही प्रोफेशनल महाविद्यालयातील शिक्षकांसाठी वयोमर्यादा ७० वर्षे करण्याबाबत खालीलप्रमाणे समिती गठीत करण्यात आली. | |

| अ.क्र. | समिती सदस्याचे नाव | पदनाम |
| --- | --- | --- |
| १) | प्रा. (डॉ.) लक्ष्मीकांत बसवराज दामा, प्र-कुलगुरु | अध्यक्ष |
| २) | प्राचार्य डॉ. बब्रुवाहन पांडुरंग रोंगे | सदस्य |
| ३) | प्राचार्य डॉ. कैलाश जगन्नाथ करांडे | सदस्य |
| ४) | डॉ. हनुमंत कृष्णा आवताडे | सदस्य |
| ५) | डॉ. एम. एस. कलशेट्टी | सदस्य |
| ६) | प्रा. (डॉ.) विकास बाबुराव पाटील | सदस्य-सचिव |

वरील समितीने अहवाल दि.१५ मार्च, २०२६ पर्यंत मा.कुलगुरुमहोदय यांच्याकडे सादर करण्यात यावा असे सर्वानुमते ठरले.

मा. कुलगुरु व सर्व सन्माननीय सदस्यांचे आभार मानून अध्यक्षांच्या परवानगीने बैठक संपल्याचे प्र.कुलसचिव यांनी जाहीर केले व राष्ट्रगीतानंतर बैठक समाप्त झाली.

प्र.कुलसचिव
(सदस्य सचिव)

मा. कुलगुरु
(अध्यक्ष)